WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

# कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

बॉलीवुड स्टार्स के बाद अब सोना मोहपात्रा बनी रिया का बैकबोन

वर्षः 01 अंक : 255 | लखनऊ, शुक्रवार, 04 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

## लॉकडाउन के चलते बिगड़ी अर्थव्यवस्था अब पटरी पर आईः मुख्यमंत्री योगी

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण जारी लॉकडाउन के चलते बिगड़ी अर्थव्यवस्था अब पटरी पर आ गई है और पिछले साल अगस्त के मुकाबले इस साल के राजस्व में लगभग 600 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए सभी सावधानियां बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सर्विलांस, डोर-टू-डोर सर्वे तथा मेडिकल टेस्टिंग की कार्यवाही को और प्रभावी बनाया जाए। इस व्यवस्था को जितना सुदृढ़ किया जाएगा, कोविड-19 के विरुद्ध उतनी अधिक सफलता प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

कराने के लिए कृत संकल्पित है। इसके दृष्टिगत कोविड-19 से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए हर सम्भव कदम उठाएं जाएं। जिन प्रयासों को और गति देने की आवश्यकता है, उन्हें पूरी तेजी के साथ तत्परतापूर्वक संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद लखनऊ तथा कानपुर नगर में कोविड-19 के नियंत्रण तथा इसकी उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों को सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस सम्बन्ध में शिथिलता बरतने वालों की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेस्टिंग के माध्यम से कोविड-19 के चेन को नियंत्रित करके व्यापक स्तर पर जीवन रक्षा की जा सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए टेस्टिंग कार्य में लगातार वृद्धि किया जाना आवश्यक है। उन्होंने जनपद कानपुर नगर तथा गोरखपुर में कोविड-19 के टेस्ट की संख्या को बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अगस्त, 2019 के सापेक्ष अगस्त, 2020 में प्रदेश सरकार के राजस्व में लगभग 600 करोड़ रुपए की वृद्धि पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत भारत सरकार द्वारा जिन गतिविधियों पर रोक लगाई गई है, उन्हें छोड़कर शेष सभी प्रकार की औद्योगिक तथा व्यवसायिक गतिविधियों को प्रदेश में संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों की कार्य संस्कृति को बेहतर बनाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों को समयबद्ध ढंग से ई-ऑफिस प्रणाली से जोड़ा जाए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत शासकीय कार्यों में त्वरित निर्णय लिए जाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि विभागीय मुख्यालय सहित अधीनस्थ कार्यालयों में पत्रावलियां 7 दिन से अधिक लम्बित न रहें। किसी पटल पर 3 दिन से अधिक पत्रावली लम्बित रहने पर सभी सम्बन्धित स्तरों पर जवाबदेही तय की जाए। सरकारी कार्यालयों में कर्मियों की समय से एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यवाही की नियमित समीक्षा की जाए। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए प्रभावी पर्यवेक्षण किया जाए।

> टेस्टिंग के माध्यम से कोविड-19 के चेन को नियंत्रित करके व्यापक स्तर पर जीवन रक्षा की जा सकती हैः मुख्यमंत्री योगी

### कोरोना मामले नयी ऊंचाई पर

## एक दिन में 83 हजार से अधिक संक्रमित

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** देश में कोरोना महामारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान पहली बार संक्रमण के 83 हजार से अधिक नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 38.53 लाख के पार पहुंच गयी हालांकि राहत की बात यह है कि इस दौरान 68 हजार से अधिक लोग स्वस्थ भी हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 83,883 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 38,53,407 हो गया। कोरोना संक्रमितों की संख्या में हुई यह वृद्धि विश्व के किसी भी देश में एक दिन में दर्ज किया गया सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले भी 78,761 की सर्वाधिक दैनिक वृद्धि भारत में ही 29 अगस्त को हुई थी। पिछले 24 घंटों के दौरान 68,584 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 29,70,493 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 14,256 बढ़कर 8,15,538 हो गये हैं। देश के केवल 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दौरान मरीजों की संख्या कम हुई है तथा इस अवधि में 1,043 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 67,376 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.16 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.09 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.75 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 3,182 बढ़कर 2,02,048 हो गयी तथा 292 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 25,195 हो गया। इस दौरान 13,959 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,98,496 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,866 बढ़ने से सक्रिय मामले 1,03,076 हो गये। राज्य में अब तक 4,125 लोगों की मौत हुई है, वहीं कुल 3,48,330 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 3,460 की वृद्धि हुई है और यहां अब 94,478 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 5,950 पर पहुंच गया है तथा अब तक 2,60,913 लोग स्वस्थ हुए हैं।

## कैशलेस व्यवस्था असंगठित क्षेत्र के खिलाफ साजिशःराहुल गांधी

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नोटबन्दी के बाद कैशलेस व्यवस्था को बढ़ावा देने को असंगठित क्षेत्र को खत्म करने की सोची समझी साजिश करार देते हुए गुरुवार को कहा कि 90 फीसदी आबादी को रोजगार देने वाले इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए सबको मिलकर लड़ने की ज़रूरत है। श्री गांधी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि मोदी सरकार ने पहले नोटबंदी लागू कर गरीब, किसान, मजदूर और छोटे दुकानदारों पर आक्रमण किया और अब कैशलेस हिंदुस्तान बनाने की बात कर देश की असंगठित अर्थव्यवस्था को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा मोदी जी का 'कैश-मुक्त' भारत दरअसल 'मजदूर-किसान-छोटा व्यापारी' मुक्त भारत है। जो पासा

आठ नवंबर 2016 को फेंका गया था, उसका एक भयानक नतीजा इस साल 31 अगस्त को सामने आया। जीडीपी में गिरावट के अलावा नोटबंदी ने देश की असंगठित अर्थव्यवस्था को कैसे तोड़ा ये जानने के लिए मेरा वीडियो देखिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि नोटबंदी हिंदुस्तान के असंगठित अर्थव्यवस्था पर आक्रमण था और अब कैशलेश प्रणाली अपनाकर इस पूरी अर्थव्यवस्था को खत्म किया जा रहा है। इस साजिश को पहचानना होगा और पूरे देश को मिलकर इसके खिलाफ लड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा आठ नवंबर रात आठ बजे 2016, प्रधानमंत्री जी ने नोटबंदी का निर्णय लिया और 500 तथा 1000 रुपये का नोट रद्दी कर दिया, पूरा हिंदुस्तान बैंक के सामने जाकर खड़ा हुआ, आपने अपना पैसा, अपनी आमदनी बैंक के अंदर डाली। इससे काला धन मिटा नहीं और गरीब जनता को नोटबंदी का फायदा मिला नहीं। फायदा हिंदुस्तान के सबसे बड़े अरबपतियों को मिला।

### कोरोनाः वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये दिया जायेगा डिजिटल शिक्षक पुरस्कार

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** हर साल शिक्षक दिवस के अवसर पर दिया जाने वाला राष्ट्रीय पुरस्कार इस बार कोविड-19 के कारण वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये दिया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने गुरुवार को यहां ट्वीट कर यह जानकारी दी । शिक्षक दिवस के अवसर पर होने वाले समारोह और पुरस्कार वितरण के संदर्भ में डॉ. निशंक ने आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उन्हें इसके लिए आमंत्रित भी किया। डॉ निशंक ने ट्वीट कर कर कहा, आज महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी से शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें आगामी पांच सितंबर, 2020 को 'शिक्षक - दिवस' के अवसर पर आयोजित होने वाले वर्चुअल-कार्यक्रम हेतु निमंत्रण दिया और 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार कार्यक्रम' की रूपरेखा पर चर्चा की।

## चीन से टकराव के बीच सीडीएस बोले पाकिस्तान भी कर सकता है दुसाहस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने चीन के साथ तनाव के बीच कहा है कि भारतीय सशस्त्र बलों को फौरी संकट से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए और साथ ही भविष्य के लिए भी तैयारी करनी चाहिए। चीन के साथ पाकिस्तान के भी मोर्चा खोलने की संभावना जताते हुए रावत ने कहा कि भारत को उत्तरी और पश्चिमी मोर्चों पर एक साथ कार्रवाई का खतरा है। उन्होंने दोनों पड़ोसियों से साथ निपटने की भारतीय सेना की क्षमता का जिक्र करते हुए कहा कि यदि पाकिस्तान ने मौके का फायदा उठाकर दुस्साहस करने की कोशिश की तो उसे भारी कीमत चुकानी होगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटिजिक पार्टनरशिप फोरम के एक कार्यक्रम में रावत ने कहा

कि हमने उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर उभरते खतरों से निपटने की रणनीति तैयार कर ली है। चीन की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक सहायता जारी रखने के कारण हमारे लिए उच्च स्तर की तैयारी रखना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत चीन की आक्रामक हरकतों को देखता आ रहा है, पर हम इनसे समुचित ढंग से निपटने में सक्षम है। सीडीएस ने यहां तक कहा कि भारत परमाणु से लेकर अर्द्ध-परंपरागत तक सर्वाधिक जटिल खतरों और चुनौतियों का सामना कर रहा है। पाकिस्तान को लेकर सीडीएस रावत ने कहा कि वह छद्म युद्ध छेड़ रहा है, जम्मू-कश्मीर में परेशानी पैदा करने के लिए अपनी जमीन से आतंकवादियों की मदद कर रहा है और उन्हें सामान दे रहा है। पाकिस्तान उत्तरी सीमाओं पर पैदा होने वाले किसी भी खतरे का फायदा उठा सकता है और हमारे लिए समस्या खड़ी कर सकता है। जनरल रावत ने कहा कि पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ कोई दुस्साहस करने की कोशिश करता है तो भारी नुकसान उठाएगा, हमने इससे निपटने के लिए पर्याप्त सावधानियां बरती हैं। सीडीएस ने ये बातें ऐसे समय में कही हैं जब लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच तनाव चरम पर है।

### हाई प्रोफाइल लव जेहाद मामले में जाकिर नाइक आरोपी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक हाई-प्रोफाइल 'लव जेहाद' मामले में कट्टरवादी इस्लामिक उपदेशक और भगौड़े जाकिर नाइक और पाकिस्तान मूल के 2 कट्टर प्रचारकों को आरोपी बनाया है। हाई-प्रोफाइल मामले में चेन्नई के एक व्यापारी की बेटी और बंगलादेश के एक पूर्व सांसद शेखावत हुसैन बकुल का बेटा नफीस शामिल है जिसका संबंध पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बंगलादेश नैशनलिस्ट पार्टी से है। एनआईए फिलहाल भारतीय कारोबारी की बेटी और बंगलादेश के राजनेता के बेटे की लंदन में हुई शादी के मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार भारतीय प्रवर्तन एजेंसियों ने वांछित जाकिर नाइक और अमरीका में पाकिस्तानी मूल के कट्टर प्रचारक यासिर कादी और नौमान अली खान को इस मामले में आरोपी के रूप में नामित किया है।

## वामदलों का दिल्ली में धरना प्रदर्शन

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** वामदलों ने गुरुवार को राजधानी में दिल्ली दंगों के विरोध में धरना प्रदर्शन आयोजित कर और मानव श्रृंखला बनाकर अपना विरोध प्रकट किया और दंगे की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। इन दोनों में अपनी मांगों के समर्थन में गत पांच दिन में दिल्ली में करीब एक लाख पर्चे भी वितरित किए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और अन्य वामपंथी पार्टियों मार्क्सवादी कमयुनिस्ट पार्टी (माकपा), आरएसपी, फॉरवर्ड ब्लॉक तथा माकपा(एम एल) ने आरोप लगाया कि गृह मंत्रालय एवं दिल्ली पुलिस ने उत्तरी पूर्वी दिल्ली में भाजप द्वारा पूर्व नियोजित दंगों की एकतरफा जांच की और दिल्ली सरकार ने इस पर चुप्पी लगाई जिसके विरोध में यह प्रदर्शन किया गया। पर्चे में यह भी मांग की गयी दिल्ली सरकार इन दंगों की स्वंत्रत जांच समिति बनाये तथा दिल्ली पुलिस बुद्धिजीवियों, छात्रों और युवकों को एकतरफा जांच के तहत

झूठे मामले बनाकर गिरफ्तार करना बंद करें। इसी विरोध के तहत आज भाकपा मुख्यालय अजय भवन के बाहर शारीरिक दूरी के नियम का पालन करते हुए मानव श्रृंखला बनाई गयी। इसका नेतृत्व भाकपा के महासचिव डी. राजा और सचिव प्रोफेसर दिनेश वार्ष्णेय ने किया। पार्टी महासचिव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस जिस तरह से दिल्ली में हिंसा की साम्प्रदायिक दृष्टि से जांच कर रहे उस से को उनके पूर्वाग्रह का पता चल रहा है। उसे देखते हुए उसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक दृष्टि से दंगो की जांच तत्काल बन्द छोनी चाहिए और एक पृथक एजेंसी से इसकी जांच कराई जानी चाहिए। इस अवसर पर श्री वार्ष्णेय ने भी इस दंगे की निष्पक्ष जांच के लिए लोगों को सरकार पर दबाव बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने दिल्ली में हिंसा की घटनाओं पर अपनी रिपोर्ट दे दी है जिसमें उससे इन सवालों और पुलिस के बीच के सबूत के सबूत दिए हैं इसलिए जांच निष्पक्ष होनी चाहिए।

### हेट स्पीच को लेकर फेसबुक की कार्रवाई, बीजेपी विधायक टी राजा को किया बैन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** घृणा भरे भाषणों से निपटने के तौर-तरीकों को ले कर आलोचनाओं का सामना कर रही फेसबुक ने हिंसा और नफरत को बढ़ावा देने वाली सामग्री से जुड़ी अपनी नीतियों का उल्लंघन करने के मामले भाजपा नेता टी. राजा सिंह को अपने मंच और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंधित कर दिया है। फेसबुक के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए जारी किए एक मेल में कहा, हमारी नीति हिंसा को बढ़ावा देने या हिंसा में संलग्न होने वालों की हमारे मंचों पर उपस्थिति प्रतिबंधित करने की हमारी नीति रही है और इसका उल्लंघन करने पर हमने राजा सिंह को फेसबुक पर प्रतिबंधित कर दिया है। बयान के अनुसार संभावित उल्लंघनों का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया व्यापक है और इसके जरिए फेसबुक ने भाजपा नेता का अकाउंट हटाने का निर्णय किया।

## आगे का रास्ता बातचीत का है,चीन गंभीरता से काम करेः भारत

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने पूर्वी लद्दाख में सैन्य तनाव के लिए चीन के एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने की कोशिशों को स्पष्ट रूप से जिम्मेदार बताते हुए आज पुनः अपील की कि वह सीमा पर शांति एवं स्थिरता कायम करने के लिए द्विपक्षीय समझौतों एवं प्रोटोकॉल के अनुरूप सेनाओं को पीछे हटाने के लिए भारत के साथ गंभीरता से काम करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियमित ब्रीफिंग में कहा कि 29 एवं 30 अगस्त की मध्य रात्रि को पेंगांग झील के दक्षिण में चीन ने एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने की कोशिश की थी। इस बारे में भारत ने अपनी स्थिति पहले से ही स्पष्ट कर दी है। तनाव बढ़ाने वाले चीन के कदमों के बारे में और अधिक नहीं कहना है। दोनों देशों की

सेनाओं के क्षेत्रीय कमांडर इस स्थिति के समाधान के लिए बातचीत कर रहे हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि हम दोनों देशों के विदेश मंत्रियों एवं विशेष प्रतिनिधियों के बीच कायम सहमति को दोहराते हैं कि सीमा पर स्थिति को बहुत जिम्मेदाराना ढंग से सुलझाना चाहिए तथा किसी भी पक्ष को दूसरे को उकसाने वाले कदम नहीं उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह एकदम स्पष्ट है कि बीते चार महीनों में हमने जो कुछ देखा, वह चीन के उन कदमों का सीधा परिणाम है जो एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने की नीयत से उठाये गये थे। चीन के इन कदमों से द्विपक्षीय समझौतों एवं प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ है जो तीन दशकों से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करते आये हैं। उन्होंने कहा कि आगे का रास्ता सैन्य एवं कूटनीतिक दोनों स्तरों पर बातचीत का है। भारत शांतिपूर्ण संवाद के माध्यम से सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए दृढ़ संकल्प है। इसलिये हम चीनी पक्ष से पुनः अपील करते हैं कि वह भारत के साथ गंभीरता से काम करे ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता जल्द से जल्द कायम करने के मकसद को हासिल किया जा सके।

## देश को आर्थिक तबाही में डुबो कर चुप है मोदी सरकारः कांग्रेस

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस ने देश की आर्थिक बदहाली के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया है कि आजादी के बाद अर्थव्यवस्था पहली बार सबसे निचले स्तर पर है और इसे पटरी पर लाने की सरकार के पास कोई योजना नहीं है इसलिए इस मुद्दे पर उसने पूरी तरह से चुप्पी साध ली है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को उबरने के उपाय नहीं कर पा रहे है। वह खामोश बैठ गए हैं और देश की लगातार डूब रही अर्थव्यवस्था को अब भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि 73 साल में पहली बार जीडीपी शून्य से नीचे 23 प्रतिशत तक गिर गयी है। इसका मतलब है कि देशवासियों की औसत आय अब धड़ाम से गिर जाएगी। लगातार टूट रही इस अर्थव्यवस्था का सीधा असर आम आदमी पर पड़ना तय है और सरकार देश के जनसामान्य को बचाने का कोई ठोस उपाय करने की बजाय चुप्पी साध गयी है और उसकी यह खामोशी बहुत खतरनाक है। प्रवक्ता ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार इसकी वजह से 2019-20 में प्रति व्यक्ति सालाना आय 1,35,050 आंकी गई जबकि चालू वित्तवर्ष की पहली तिमाही अप्रैल से जून में जीडीपी शून्य से 24 प्रतिशत पर आ गयी है।

### नेपाल सीमा पर भारत विरोधी प्रदर्शन को फंडिंग कर रहा चीन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चीन ने भारत-नेपाल सीमा पर भारत के खिलाफ प्रदर्शनों को अंजाम देने के लिए नेपाल स्थित विभिन्न संगठनों को 2.5 करोड़ रुपये (नेपाली मुद्रा में) का भुगतान किया है। भारत और नेपाल 1,700 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करते हैं। एजेंसियों ने कहा, नेपाल में चीनी दूतावास ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्रों में भारत विरोधी प्रदर्शनों के आयोजन के लिए 2.5 करोड़ रुपये (एनपीआर) की वित्तीय सहायता प्रदान की है, जो नेपाल के आंतरिक और राजनीतिक मामलों में भारत के हालिया सीमा विवादों और हस्तक्षेपों को उजागर करता है। एनपीआर नेपाली रुपया है। चीन के हिमालय राष्ट्र पर अपना प्रभाव बढ़ाने के बाद भारत-नेपाल संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। हाल ही में भारत द्वारा लिपुलेख में 17000 फीट की ऊंचाई पर सड़क निर्माण को लेकर नेपाल ने आपत्ति जताई थी।

### कुलभूषण केस

## पाक कोर्ट ने वकील नियुक्त करने को भारत को दिया दूसरा मौका

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव मामले में गुरुवार को पाकिस्तान की इमरान खान सरकार की एक बार फिर से किरकिरी हुई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने भारत को कुलभूषण के लिए वकील नियुक्त करने का दूसरा मौका दिया है। इस मामले में पाकिस्तान सरकार लगातार अपने नापाक इरादे जताती रही है। भारत को एक और मौका देते हुए इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई को एक महीने के लिए स्थगित कर दिया। अब कोर्ट में 6 अक्टूबर को सुनवाई होगी। पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने जुलाई महीने में इस्लामाबाद हाईकोर्ट में अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले को लागू करने के लिए एक वकील नियुक्त करने की मांग की थी। इसके संबंध में सरकार ने एक याचिका दायर की। कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा दायर याचिका में कहा गया था कि, इस्लामाबाद हाईकोर्ट को आईसीजे के फैसले के अनुसार सैन्य अदालत के फैसले की समीक्षा और पुनर्विचार करने के लिए एक वकील नियुक्त करना चाहिए।

### तेलंगानाः पुलिस के साथ मुठभेड़ में संदिग्ध नक्सली ढेर

**हैदराबाद, एजेंसी।** तेलंगाना के भद्राद्रि-कोथागुडेम जिले में छत्तीसगढ़ की सीमा पर गुरुवार को पुलिस के साथ कथित मुठभेड़ में एक संदिग्ध नक्सली मारा गया। घटना सुबह गुंडला मंडल के देवलागुडेम गांव के पास जंगल में हुई। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुनील दत्त ने कहा कि गोलियां तब चलीं, जब पुलिस की टीम इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के बाद वाहनों की जांच कर रही थी। एसपी ने कहा, एक मोटरसाइकिल पर आए दो लोगों को रुकने के लिए कहा गया तो उन्होंने पुलिस पर गोलियां चलाकर भागने की कोशिश की। बदले में पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें एक संदिग्ध नक्सली मारा गया, जबकि दूसरा भागने में कामयाब रहा। जंगल में भागे व्यक्ति की तलाश जारी है। मारे गए संदिग्ध की उम्र 25 साल है, जिसकी अभी पहचान नहीं हो पाई है।

## समाज सेविका की ओर से केजीएमयू में दान किए गए डिस्पोजेबल बेडशीट और फेस शील्ड

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। हालांकि इस महामारी के प्रकोप को कम करने और उससे लड़ने में हर वर्ग अपने स्तर से प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में अब समाज सेविका शिवानी गर्ग की ओर से केजीएमयू अस्पताल के कोविड-19 वॉर्ड में मरीजों के लिए 6000 बेडशीट दी गई हैं। यह सभी बेडशीट डिस्पोजेबल होंगी। इसके अलावा उनकी ओर से हेल्थ वर्कर के उपयोग में आने वाली 6000 फेस शील्ड भी दी गई हैं, जिससे वह कोरोना महामारी से खुद को बचा सकें। जानकारी के मुताबिक शिवानी गर्ग ने यह दान कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष प्रदीप गंगवार के विशेष सहयोग से दिया है। उन्होंने केजीएमयू में डिस्पोजेबल बेड शीट एवं फेस शील्ड के साथ-साथ अन्य कई कोविड में प्रयोग में होने वाली सामग्री को डोनेट करने के लिए लोगों को प्रेरित भी किया है।

# सड़क हादसों में दो की मौत, तीन घायल

**लखनऊ, संवाददाता।** राजधानी की सड़कों पर रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं रहा है। गुरुवार को इंटौंजा और मोहनलालगंज थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मोहनलालगंज में सूचना देने के बाद भी पुलिस और एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। राजधानी के इटौंजा थाना क्षेत्र में आज सुबह तड़के एनएच-24 पर एक तेज रफ्तार कार ने एक खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में आगे की सीट पर बैठे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक से टक्कर होने के

बाद कार में आग लग गई। आस-पास मौजूद लोगों ने आग बुझाकर हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव कार निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवकों की पहचान जानकी पुरम निवासी रोहित टण्डन और उनके साथी के रूप में हुई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। वहीं दूसरी तरफ मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के सिसेंडी गांव में गुरुवार दोपहर एक अनियंत्रित मारूती वैन ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मारूती वैन सड़क के किनारे पलट गई। जबकि बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घायलों को अस्पताल पहुँचाने के लिए पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। लेकिन काफी देर तक न तो पुलिस और न ही एंबुलेंस पहुंची। इस दौरान तीनों घायल सड़क पर पड़े दर्द से तड़पते रहे। बाद में ग्रामीणों ने तीनों घायलों को निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों के अनुसार वैन में ड्राइवर सहित 2 लोग सवार थे। हादसे में वैन सवारों को भी मामूली चोट आई है।

## कार्यालयों में सोशल डिस्टेन्सिंग एवं मास्क के उपयोग का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेः मुख्य सचिव

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए सरकारी कार्यालयों को खोले जाने के सम्बन्ध में मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं कि प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की बढ़ती हुई संख्या के दृष्टिगत कार्यालयों में सोशल डिस्टेन्सिंग की स्थिति का आंकलन सम्बंधित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव तथा विभागाध्यक्षों द्वारा स्वयं कर लिया जाए। कार्यालय व अनुभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष समूह 'ग' एवं समूह 'घ' के 50 प्रतिशत कार्मिकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी, शेष कर्मचारियों को रोस्टर के आधार पर वर्क फ्रॉम होम की अनुमति के सम्बंध में अपने विभागीय मंत्री से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाये। समूह 'क' एवं 'ख' के सभी अधिकारी कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि यदि किसी आकस्मिता के कारण कोई कर्मी जिसको कार्य पर आना संभव न हो, या वह अवकाश हेतु आवेदन पत्र देता है तो उक्त अवकाश को स्वीकृत करते समय प्रतिस्थानी वर्क फ्राम होम अनुमन्य किसी समकक्ष कर्मी को कार्य हेतु निर्देशित किया जायेगा जिससे स्वीकृत पदों के सापेक्ष 50 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो। इसके अतिरिक्त कार्यालय आने वाले कार्मिक समयशीलता का पालन करेंगे एवं निर्धारित समय से कार्यालय में उपस्थित होंगे। समयशीलता एवं कार्मिकों की उपस्थिति की जांच नियंत्रक प्राधिकारी समय-समय पर अवश्य करते रहेंगे। रोस्टर के अनुसार घर से कार्य सम्पादित कर रहे कार्मिक इस अवधि में अपने मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक साधनों के माध्यम से कार्यालय के सम्पर्क में रहेंगे तथा उन्हें आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय बुलाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि अधीनस्थ कार्यालयों, स्थानीय निकायों, निगमों आदि के लिये भी इसी प्रकार की व्यवस्था की जा सकेगी। इसके अलावा यह दिशा-निर्देश उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे जो ऐसी आकस्मिक एवं आवश्यक सेवाओं से जुड़े हैं तथा कोविड-19 की रोकथाम में प्रत्यक्ष भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिये हैं कि प्रत्येक ऑफिस में कोरोना हेल्प डेस्क स्थापित किया जाए जो कोरोना से बचाव की आवश्यक जानकारी दे सके तथा प्रत्येक कार्यालय में आने वाले कार्मिकों की थर्मल स्कैनर से स्कैनिंग अवश्य की जाए और सैनेटाइजर आदि की व्यवस्था रखी जाए साथ ही कार्यालयों का विसंक्रमण कराया जाए ताकि कोराना का प्रसार न हो। अगर किसी कार्यालय में कोरोना संक्रमण के मामले पाये जाते हैं तो उस कार्यालय का विसंक्रमण जल्दी ही 24 घण्टे में कराया जाए जिससे कार्यालय लंबे समय तक बंद न रहे तथा जनसामान्य को कोई असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त सोशल डिस्टेन्सिंग एवं मास्क के उपयोग का पालन अवश्य सुनिश्चित किया जाए।

# कोविड-19 संक्रमित 75 और लोगों की मौत

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 संक्रमित 75 और लोगों की मौत के साथ ही प्रदेश में महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 3691 हो गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बृहस्पतिवार को बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 संक्रमित 75 और लोगों की मौत हो गई है। प्रदेश में इस वायरस से अब तक 3691 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस वक्त 57,598 मरीजों का प्रदेश के विभिन्न कोविड अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। राज्य में अब तक 1,50,812 संक्रमित लोग ठीक हो कर घर जा चुके हैं। प्रसाद ने बताया कि बुधवार को प्रदेश में 1,36,803 नमूनों की जांच की गई जिनमें 90,262 एंटीजन के माध्यम से और बाकी के टेस्ट आरटीपीसीआर, ट्रूनेट एवं सीबीनेट के जरिये किये गये। प्रदेश में अब तक 60,50,450 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

## अब दर्शकों के लिए रविवार में भी खुलेगा चिड़ियाघर

**लखनऊ, संवाददाता।** कोरोना प्रकोप के बीच चिड़ियाघर अब दर्शकों के लिए रविवार में भी खुलने जा रहा है। प्रवेश करने से पहले दर्शकों को फेस मास्क लगाना अनिवार्य होगा। थर्मल स्कैनिंग में जिनका तापमान सामान्य नहीं होगा उन्हें प्रवेश नहीं दिया जायेगा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार शनिवार को लॉकडाउन समाप्त किये जाने पर प्राणि उद्यान, लखनऊ दर्शकों हेतु शनिवार को खुला रहेगा तथा रविवार को लॉकडाउन की स्थिति पूर्ववत् रहेगी। इस प्रकार सोमवार से शविवार तक प्राणि उद्यान नियमित रूप से खुलेगा।

# केंद्र सरकार घोषित करें राष्ट्रीय व्यापारी दिवसः संदीप बंसल

**लखनऊ, संवाददाता।** भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने आज राजधानी लखनऊ में आयोजित 3 सितंबर व्यापारी दिवस के अवसर पर भारत सरकार से शिक्षक, बाल, सैनिक, मजदूर दिवस की भांति देश में राष्ट्रीय व्यापारी दिवस घोषित करने की मांग की उन्होंने 'संगठन के स्थापना दिवस 3 सितंबर व्यापारी दिवस के तौर पर घोषित' करने की मांग करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का मुख्य वाहक व्यापारी समाज है सारी व्यवस्थाएं व्यापार उद्योग पर टकी हैं और उस व्यापार और उद्योग को चलाने वालों को समाज में और सरकार में यथोचित सम्मान दिलाने के लिए संगठन भारत सरकार से राष्ट्रीय व्यापारी दिवस घोषित किए जाने की पुरजोर अपील और मांग करता है। बंसल ने बताया कि आज संगठन ने देशभर में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ 3 सितंबर व्यापारी दिवस का आयोजन किया दिल्ली राज्य में हरियाणा में पंजाब में उत्तराखंड में मध्यप्रदेश में राजस्थान में महाराष्ट्र में और उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में व्यापारी दिवस 3 सितंबर का आयोजन किया गया। संदीप बंसल ने बताया कि इस अवसर पर सभी व्यापारियों ने एक स्वर में प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय व्यापारी दिवस घोषित करने की मांग की तथा चाइना के उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजें। संगठन के महामंत्री सुरेश छाबलानी ने बताया कि इस अवसर पर सभी जनपदों में करोना वायरस से लड़ने वालों योद्धाओं को भी सम्मानित किया गया राजधानी लखनऊ में भी 9 व्यापारीयों को सम्मानित किया गया। राजधानी लखनऊ में व्यापारी प्रदीप अगवाल, सुरेश छाबलानी, एकता अग्रवाल, जितेंद्र कनौजिया, मुकेश यादव, पतंजलि सिंह, आनंद रस्तोगी अश्वन वर्मा, बीनू मिश्रा को आज इस अवसर पर व्यापारी भूषण से सम्मानित किया गया। दारुलशफा स्थित संगठन के मुख्यालय पर आयोजित व्यापारी दिवस समारोह में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ यह संकल्प लिया गया कि हम चाइना के उत्पादों का पूर्णता बहिष्कार करेंगे और भारत सरकार से 3 सितंबर व्यापारी दिवस लेकर रहेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वालों में राष्ट्रीय मंत्री रिपन कंसल, प्रदेश मंत्री हाफिज जलील अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य लखनऊ के अध्यक्ष प्रदीप अगवाल, महामंत्री सुरेश छाबलानी, प्रदेश महामंत्री रितेश गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आकाश गौतम,अनुज गौतम,मो. सालिम, निशीथ श्रीवास्तव शामिल रहे।

## अगली गर्मियों तक बिजली की मांग 26,500 मेगावाट तक पहुंचाने की तैयारीः श्रीकांत शर्मा

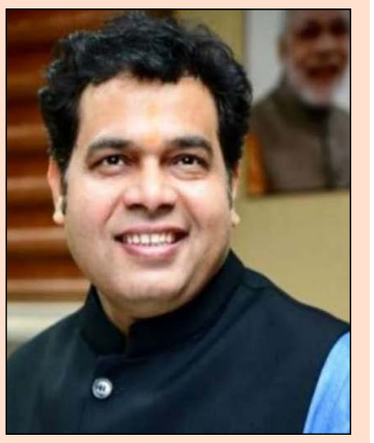

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा है कि राज्य में बिजली क्षमता को बढ़ाने की तैयारी की जा रही है, क्योंकि अगली गर्मियों तक बिजली की मांग 26,500 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने एक बयान में गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश पारेषण निगम लिमिटेड (यूपीटीसीएल) के अधिकारियों को राज्य में बिजली की बेरोकटोक आपूर्ति के लिए 50 नए बिजली पारेषण उपकेंद्र चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस समय राज्य में लगभग बिजली 550 उपकेंद्र हैं। शर्मा ने कहा, "इस साल अधिकतम मांग 23,419 मेगावाट थी, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अगली गर्मियों (सीजन) तक अधिकतम मांग 26,500 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। हम अपने नेटवर्क में लगातार सुधार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में आयात क्षमता को बढ़ाकर 14000 मेगावाट और पारेषण क्षमता को 28000 मेगावाट तक किया जाएगा। शर्मा ने आगे कहा कि 50 नए उपकेंद्रों को लगाने का काम जून 2021 तक पूरा हो जाएगा, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक ट्रिपिंग और कम वोल्टेज की समस्या से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए भी कड़े उपाए किए हैं।

## यू0पी0 बोर्ड के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् मेधावियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

### शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार दे रहा है यू0पी0 बोर्ड के मेधावियों को छात्रवृत्ति

**लखनऊ, संवाददाता।** उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के सन् 2020 में इण्टर पास तथा किसी उच्च शिक्षण संस्थान में नियमित रूप से अध्ययनरत् विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्रालय छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। जिसके ऑन लाइन आवेदन 16 अगस्त से आरंभ है। इसकी अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर है। आवश्यक अर्हताओं में परिवार की वार्षिक आय आठ लाख से कम होनी चाहिये। साथ ही मानविकी वर्ग में कम से कम 304/500, विज्ञान वर्ग में 334/500 तथा वाणिज्य वर्ग में 313/500 अंक होने चाहिये। साथ ही विद्यार्थी को किसी उच्च शिक्षण संस्थान में नियमित रूप से अध्ययनरत् होना चाहिये। शिक्षा मंत्रालय ऐसे ही पात्र विद्यार्थियों को विशेष रूप से छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्रालय की वेवसाइट `बीवसंतींपचेण्हवअण्पद पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। साथ ही पूर्व में सन् 2016, 2017, 2018 तथा 2019 में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्र,छात्राओं को अपनी छात्रवृत्ति नवीनीकरण हेतु वेवसाइट पर आवेदन भरना होगा। सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद् ने इस सम्बन्ध में मंडल के संयुक्त निदेशक और सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों निर्देशित कर दिया है।

# एलडीए ने शहर में किये जा रहे अवैध निर्माणों को सील किया

**लखनऊ, संवाददाता।** लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिवाकान्त द्विवेदी ने लखनऊ शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के लिए प्रवर्तन विभाग के अधिशासी अभियन्ताओं को दिये सख्त निर्देशों के अनुपालन में आज मो. स्माइल मुलवल्ली वफप्रापर्टी संख्या 91ए, चिक मण्डी, अमीनाबाद, लखनऊ पर कराये गये अनाधिकृत निर्माण के विरूद्ध विहित प्राधिकारी ऋतु सुहास द्वारा दिनांक 03.08.2020 सील किये जाने के आदेश दिये जाने पर अधिशासी अभियन्ता कवलजीत सिंह के नेतृत्व में एन.एस. शाक्य व एन.एन. चौबे अवर अभियन्ताओं तथा क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से सील किया गया। शुभम वर्मा द्वारा ग्राम-बेती, इण्डियन पेट्रोल पम्प के सामने, न्यू जेल रोड, गोसाईगंज, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये 250.00 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर पूर्व में निर्मित लोअर बेसमेण्ट, अपर ग्राउण्ड फ्लोर के ऊपर प्रथम तल पर कमरों का निर्माण किये जाने पर विहित प्राधिकारी ऋतु सुहास द्वारा दिनांक 31.08.2020 सील किये जाने के आदेश दिये जाने पर अधिशासी अभियन्ता कवलजीत सिंह के नेतृत्व में चमन त्यागी व रवीन्द्र शुक्ला अवर अभियन्ताओं तथा क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से सील किया गया। अनिल पाण्डेय व पार्वती जोशी द्वारा 65/28, छितवापुर रोड, लालकुआं, हुसैनगंज, लखनऊ पर स्वीकृत मानचित्र के विपरीत कराये गये अनाधिकृत निर्माण को विहित प्राधिकारी ऋतु सुहास द्वारा ध्वस्त किये जाने के आदेश दिये जाने पर अधिशासी अभियन्ता कवलजीत सिंह के नेतृत्व में डी.के. शुक्ला अवर अभियन्ता तथा क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से ध्वस्त किया गया। शिव सरन श्रीवास्तव पुत्र श्री राम कृष्णा श्रीवास्तव द्वारा प्लाट संख्या 3/447 (टाइप-डी), सेक्टर-एच, जानकीपुरम लखनऊ पर 128.00 वर्गमीटर क्षेत्रफल भूखण्ड के स्वीकृत मानचित्र के विपरीत बेसमेण्ट की छत ढालने हेतु शटरिंग इत्यादि का निर्माण किये जाने पर विहित प्राधिकारी द्वारा दिनांक 24.08.2020 सील किये जाने के आदेश दिये जाने पर अधिशासी अभियन्ता श्री के.के. बसंला के नेतृत्व में क्षेत्र से सम्बन्धित अभियन्ताओं तथा क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से सील किया गया। संदीप बंसल, निदेशक, शिखर इन्फ्रा. लि. द्वारा भूखण्ड संख्या 1/6, विराम खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ पर किये गये अनाधिकृत निर्माण को पुनः सील किया गया।

## वित मंत्री सुरेश खन्ना बोले, आर्थिक गतिविधियों में तेजी- अगस्त में राजस्व 600 करोड़ रुपए बढ़ा

**लखनऊ, संवाददाता।** उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा है कि राज्य ने लॉकडाउन के कारण हुए नुकसान से उबरते हुए अगस्त 2020 में 9545.21 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 600 करोड़ रुपये अधिक है। खन्ना ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण घोषित लॉकडाउन की वजह से अप्रैल, मई और जून में प्रदेश का राजस्व काफी घट गया था, लेकिन जुलाई से इसने रफ्तार पकड़ी। उन्होंने बताया, 'अगस्त 2019 में विभिन्न मदों के तहत 8942.76 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि अगस्त 2020 में इन मदों में कुल 9545.21 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले लगभग 600 करोड़ रुपये ज्यादा है।' उन्होंने इस आधार पर दावा किया कि राज्य की आर्थिक गतिविधियां पहले से बेहतर स्थिति में पहुंच रही हैं।

## राकेश पाण्डेय एनकाउंटर मानवाधिकार आयोग ने 6 सप्ताह में जवाब माँगा

**लखनऊ, संवाददाता।** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 09 अगस्त 2020 को सरोजिनीनगर, लखनऊ में एसटीएफद्वारा राकेश उर्फहनुमान पाण्डेय के एनकाउंटर मामले में एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा की गयी शिकायत पर डीजीपी, यूपी से जवाब तलब किया है. आयोग ने अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता ने एनकाउंटर की सत्यता को संदिग्ध बताया है, अतः शिकायत की प्रति डीजीपी, यूपी को भेज कर 06 सप्ताह में उनसे आख्या मांगी जाये. आयोग ने 23 अक्टूबर 2020 को सुनवाई की अगली तारीख नियत की है. नूतन ने अपनी शिकायत में कहा था कि जिस प्रकार से उसका एनकाउंटर हुआ, उससे कई सवाल उठ रहे हैं. उन्होंने कहा है कि उसके पिता रिटायर्ड फौजी बालदत्त पाण्डेय के अनुसार राकेश को पुलिस द्वारा घर से उठा कर एनकाउंटर कर दिया गया. उन्होंने यह भी कहा कि राकेश पर ज्यादातर केस खत्म हो गए थे और उस पर ईमान कब घोषित हुआ, इसकी उन लोगों को कोई जानकारी नहीं है. शिकायत के अनुसार एसटीएफने सुबह एक लाख के ईनामिया होने का दावा किया जबकि शाम से इसे पचास हजार बताया गया. इतना ही नहीं, प्रयागराज के औद्योगिक क्षेत्र थाने में दर्ज जिस एफआईआर के आधार पर राकेश पर इनाम घोषित करने की बात की जा रही है, उसमें उसका नाम ही नहीं है. एसटीएफ का दावा है कि उसने इनोवा का पीछा किया. इनोवा पेड़ से टकराकर रुक गई और बदमाशों ने उतरकर एसटीएफकी टीम पर फायरिंग शुरू कर दी जबकि जो इनोवा पेड़ से टकराई उसमें खास डैंट तक नहीं आया. जिस इनोवा गाड़ी से बदमाश भाग रहे थे, उसकी नंबर प्लेट आगे और पीछे दोनों एक ही स्थान से टूटी मिली है. इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

# उत्तर प्रदेश में चारों ओर हाहाकार मचाः अखिलेश यादव

**लखनऊ, संवाददाता।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है। बेखौफ अपराधी खूनी तांडव कर रहे हैं। कोरोना महामारी के संक्रमण में कई हजार जानें जा चुकी हैं। शिक्षा-स्वास्थ्य की व्यवस्थाएं बर्बादी के कगार पर हैं। भाजपा की डबल इंजन की सरकारों को जनता की तकलीफें और रसातल में जा रही अर्थव्यवस्था की कोई चिंता नहीं। उनका काम और ध्येय सिर्फ चुनाव जीतना और सत्ता में येनकेन प्रकारेण कब्जा बनाए रखना है। मुख्यमंत्री चाहे जितने आर्डर जारी करें उन्हें उनके प्रवचन से ज्यादा कुछ नहीं समझा जाता है। उन्होंने कभी ठोको नीति का उपेदश दिया था। परिणाम स्वरूप कई जगहों पर पुलिस या अपराधियों ने भाजपा नेताओं को भी ठोक पीट कर हिसाब पूरा कर दिया। अभी बांदा में भाजपा नेता पर धारदार हथियार से हमला हुआ। कुछ दिन पहले फैजाबाद में भाजपा नेता को गोली मारी गई थी। अन्य जनपदों में रोज ही हत्या, लूट, अपहरण एवं बलात्कार की घटनाएं घटती रहती है। सरकार बेफिक्र है। प्रदेश में नौजवानों की जिंदगी से भाजपा खेलने में जरा भी संकोच नहीं कर रही है। क्लैट परीक्षाएं स्थगित हो गई पर लाखों युवा जेईई-नीट परीक्षा में बैठने को मजबूर किए गए। लॉकडाउन में लाखों की नौकरियां छूट गई। आज भी वे मारे-मारे घूम रहे है। करोड़ों नौकरियां देने का वादा करने वाले हजार नौकरी भी नहीं बांट पा रहे है। स्वास्थ्य विभाग को समाजवादी सरकार ने जितना सुदृढ़ किया था भाजपा सरकार ने उतना ही उसे अपंग बनाया है। स्वास्थ्य सेवाओं की गड़बड़ी का परिणाम जनता भुगत रही है। कोरोना संक्रमण में अब तक प्रदेश में कई हजार जाने चली गई है। कोरोना संक्रमितों के इलाज में लापरवाही की घटनाएं बढ़ती जा रही है। लोगों में दहशत है। भाजपा के मंत्री, विधायक, सांसद भी इससे नहीं बच सके। भाजपा राज में हर तरफ अव्यवस्था और अराजकता व्याप्त हैं, पुलिस अपराधियों को पकड़ने से ज्यादा चुस्ती छात्रों पर बेरहमी से लाठियों का इस्तेमाल करती है। प्रशासन असहमति के स्वर को कुचलने की नई-नई साजिशें करता रहता है। झूठे मुकदमों और फर्जी एनकाउण्टरों की बाढ़ ने उत्तर प्रदेश का नाम देश-दुनियां में बदनाम करके रख दिया है। हर कोई इस व्यवस्था से त्रस्त है, अब वह इससे जल्द से जल्द छुटकारा पाना चाहेगा।

## ऑनलाइन टैलेन्ट प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्र को प्रथम पुरस्कार

**लखनऊ, संवाददाता।** सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (द्वितीय कैम्पस) के कक्षा-6 के प्रतिभाशाली छात्र सात्विक श्रीवास्तव ने अन्तर-विद्यालयी टैलेन्ट प्रतियोगिता 'टैलेन्ट लिटरेयर - बैटल ऑफ एक्सप्रेशंस' में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक-साहित्यिक संस्था 'योग्यपीठ' के तत्वावधान में ऑनलाइन आयोजित हुई, जिसमें सात्विक ने 11 से 14 वर्ष के अन्तर्गत 'माई बिग पिक्चर' प्रतियोगिता में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के दम पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. अलीगंज (द्वितीय कैम्पस) के इस प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी कलात्मक प्रतिभा व रचनात्मक सोच का शानदार प्रदर्शन कर प्रथम पुरस्कार पर कब्जा जमाया।

# घर के बाहर खेल रहीं बच्चियों पर टूटकर गिरा विद्युत तार, दो की मौत, तीसरी बच्ची गंभीर

**लखनऊ, संवाददाता।** राजधानी के बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में विद्युत विभाग की लापरवाही से बड़ा हादसे सामने आया है। यहां के देवराई गांव में गुरुवार को हाईटेंशन विद्युत लाइन का जर्जर तार टूटकर नीचे गिर गया। जिसकी चपेट में आकर तीन बच्चियां आ गई। दो बच्चियों की मौके पर ही तड़प तड़प कर मौत हो गई। जबकि तीसरी बच्ची की भी हालात नाजुक है। गंभीर रूप से झुलस चुकी बच्ची का इलाज लखनऊ के सिविल अस्पताल में चल रहा है। यह दर्दनाक हादसा बिजली विभाग कार्यालय से चंद कदम की दूरी पर हुआ। सूचना देने पर बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची और फटाफट दोनों बच्चियों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। हादसे के बाद एकत्र ग्रामीणों ने दोनों बच्चियों की मौत के लिए बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। आरोप है कि काफी समय से विद्युत तार जर्जर हैं। कई बार संभ्रांत नागरिकों ने अधिकारियों से शिकायत कर तार बदलवाने की मांग की। लेकिन सुनवाई नहीं हुई। गुरुवार को अपने घर के बाहर दरवाजे पर खेल रहीं बच्चियों पर तार टूटकर गिरा और कुछ देर में दोनों मासूमों शरीर बेजान हो गए। जबकि तीसरी बच्ची अस्पताल में जिन्दगी-मौत से जूझ रही है।

# सरकार के दावे फेल अघोषित बिजली कटौती से आम ग्रामीण परेशान

महराजगंज/सोनौली नौतनवा ठूठीबारी के ग्रामीण क्षेत्र में जैसे बरगदवा परसा मलिक सेखुआनी,पेड़ारी रतनपुर परसा शिवपुरी निपानिया आदि गांव में दिन में 8 से 10 घंटे तक की बिजली गुल रहती है। सबसे बुरा हाल ग्रामीण क्षेत्र का है। बिजली गायब रहने से कई काम काज ठप पड़े हैं। ग्रामीणों के अनुसार बिजली सप्लाई बिना कोई सूचना के ही कटौती की जा रही है। बिजली की सप्लाई न मिलने से कई व्यापारी व कई बिजली उपभोक्ता परेशान है

एक तरफ गर्मी तो दूसरी तरफ बिजली से सम्बंधित कई काम काज लोगों का बिजली कटौती से जीना दुश्वार कर दिया है। ऐसे में बिजली का न होना मुसीबत बढ़ा देता है। यही नहीं कभी-कभी सुबह के समय बिजली गुल रहने से पानी की विकट समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि बिजली की समस्या का समाधान कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई जाए।

शासन द्वारा जारी किए गए निर्देश के मुताबिक बिजली नहीं मिल पा रही है। इसके चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बदन को झुलसाने वाली उमस व गर्मी जहां लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है, वहीं बिजली की कटौती से लोग त्रस्त हैं। उत्तर प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड तथा प्रदेश की



योगी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र को 18 घंटे बिजली आपूर्ति का रोस्टर जारी किया हुआ है, लेकिन लोगों को 10 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है। वहीं अगर नगर की बात करें तो बिजली की अघोषित कटौती से नौतनवां कस्बों की पेयजल व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमरा सी गई है। वहीं आटा चक्की बंद हो जाने से लोगों को शहर की ओर पलायन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में अघोषित विद्युत कटौती के कारण भीषण गर्मी में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अगर रूटीन की बात करें तो उपरोक्त फीडर का कोई समय निर्धारित नहीं है, यहां का विद्युत व्यवस्था केवल राम भरोसे है जहां हर रोज रात्रि 10 बजे बिजली आती है और सुबह 5 बजे से ही गायब हो जाती है तथा दिन में विद्युत सिर्फ आंख मिचौली का खेल खेलती रहती जहां पूरे दिन मिलाकर लगातार दो घंटे भी बिजली नहीं टिकती। यहां बिजली कब आएगी और कब चली जाएगी कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में बिजली चले जाने से मोबाइल सेवा भी पूरी तरह से ध्वस्त हो जाती है साथ ही निजी बैंकिंग सेवाओं में भी लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लोगों ने कई बार मांग की है कि विद्युत कटौती का समय निर्धारित किया जाए, लेकिन आज तक उपभोक्ताओं के मांग को पूरा नहीं किया गया। जिसको लेकर लोगों में काफी रोष व्याप्त है। बिजली की व्यवस्था से सबसे ज्यादा बुजुर्ग और बच्चे परेशान हैं, जहां रात्रि में उनकी रात की नींद हराम हो गई है। बिजली की कटौती को लेकर जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों का अनदेखा करना ये चिंता का बिषय है क्योंकि बिजली की किल्लत के साथ-साथ पीने के पानी की भी समस्या उत्पन्न हो जाती है और लोगों को पीने का पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। विद्युत उपभोक्ताओं ने मांग किया है कि शीघ्र ही बिजली कटौती का समय निर्धारित किया जाए जिससे लोगों को इस परेशानी से छुटकारा मिल सके।

## पुरन्दरपुर बरामदे में खड़ा प्लेटिना मोटरसाइकिल चोरी जांच में जुटी पुलिस

**महराजगंज।** पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा हथियागढ़ में बरामदे में खड़ा प्लेटिना मोटर साइकिल चोरी बतादें की नसीर अहमद पुत्र स्वर्गीय इन्सान अली का कहना है कि मैं अपनी प्लेटिना मोटर साइकिल ह्व श्च 56 द्द 2933 दिनाँक 01 09 2020 को अपने घर के बरामदे में खड़ा कर अपने कमरे में सोने चला गये सुबह जब सो कर उठा तो देखा की मेरा प्लेटिना मोटर साइकिल बरामदे से गायब मिला घबराये हुए नसीर अहमद ने पुरे गाँव में व आस-पास में काफी तलाश व खोज बीन किया पर बाइक का कही भी कोई सुराग नहीं मिला परेशान नसीर अहमद थाना पुरन्दरपुर को बाइक की खोज बीन एवं तलाशी के लिए दिए प्रार्थना पत्र जब इस संदर्भ में पुरन्दरपुर थाना प्रभारी शाह मोहम्मद से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि बहुत जल्द इस की खोज बीन कर मामले का निस्तारण किया जायेगा।

## फिर हुआ हाइवे खूनी बड़ा हादसा बस्ती में बेकाबू ट्रक ने पांच मजदूरों को रौंदा, तीन की मौत

गोरखपुर-लखनऊ फोरलेन पर बस्ती जिले के हरैंया थाने के बिहरा चौराहे के पास बुधवार/गुरुवार की रात करीब ढाई बजे एक ट्रक ने पांच मजदूरों को रौंद दिया। सभी पैदल ही काम से लौट रहे थे। हादसे में घायल तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि बाकी दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने घायलों को सीएचसी कप्तानगंज भेजा। यहां से चिकित्सक ने दोनों को जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के धर्मसिंहपुर महराजगंज कस्बे के कुछ मजदूर पल्लेदारी के लिए हसीनाबाद पैकौलिया गए थे। देर रात काम निपटाने के बाद ट्रक पर सवार होकर लौटे थे। संसारीपुर के पास एक ढाबे पर ट्रक चालक से हुए विवाद के बाद सभी मजदूर पैदल ही गांव के लिए चल पड़े थे। महाराजगंज के करीब पहुंचने ही वाले थे, कि तभी एक अनियंत्रित ट्रक पांचों मजदूरों को रौंदते हुए फरार हो गया।

## नौतनवां पुलिस ने फ्लैग मार्च कर बिना मास्क लगाये फालतू घूम रहे लोगों पर कसा शिकंजा

**महराजगंज।** नौतनवां थाना अध्यक्ष ने नगर का फ्लैग मार्च कर बिना मास्क लगाये व बिना हेलमेट पहनने वाले लोगों पर कसा शिकंजा बतादें की थानाध्यक्ष शिव मनोहर यादव की अगुवाई में शांतिपूर्ण तरीके से नगर का फ्लैग मार्च किया गया बिना मास्क लगाये सड़कों पर फालतू घूम रहे लोगों व दुकानदारों को थाना प्रभारी ने जागरूक करते हुए कहा कि आप लोग सरकार के आदेशों का पालन करें तय सीमा के अनुसार ही दुकानें खोले और बंद करें सरकार के आदेशों का उलंघन न करें उन्होंने कहा कि अगर कोई भी सरकार के आदेशों का उलंघन किया तो इसके खिलाफ कार्य वाही की जायेगी वहीं दूसरी ओर थाना प्रभारी ने



रोड पर मनमानी करने वाले बिना मास्क के चलने वाले तीन सवारी चलने वाले लोगों का चालान भी काटा इस मौके पर थानाध्यक्ष राम मनोहर यादव चौकी प्रभारी संजय कुमार शाही गौरव यादव सहित हेड कांस्टेबल वशिष्ठ मिश्रा राम गणेश चौबे आज्ञाराम सोनू रवि यादव श्याम सुंदर यादव छोटेलाल सहित महिला कांस्टेबल अमिता सिंह गरिमा सिंह प्रीती सिंह कल्पना द्विवेदी पंचमती सहित अन्य कई महिला कांस्टेबल मौजूद रहे।

## गोरखपुर में मिले 260 नए कोरो ना पॉजिटिव मरीज, 5 की मौत

गोरखपुर/में बुधवार को कोरोना के 260 नए संक्रमित मरीज मिले हैं। संक्रमितो में रेलवे अस्पताल, जिला कारागार, सीएचसी पिपरौली, के कर्मचारी शामिल है। उसके बाद से जिले में संक्रमित ओं का आंकड़ा 10 हजार के करीब 9955पहुंच गया है। इसमें 6964 मरीज ठीक हो चुके हैं। जबकि एक्टिव मरीज 2857 है। इस दौरान 5 मरीजों की मौत भी बीआरडी मेडिकल कालेज में हुई है। मरने वालों में चार गोरखपुर वह एक देवरिया का निवासी है। हालांकि शासन के होटल पर अपडेट ना होने के कारण स्वास्थ्य महकमा अभी इन्हें सूची में शामिल नहीं किया है। जिला कारागार में संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। करीब 140 से ज्यादा कैदी कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं। यही वजह है कि प्रशासन जांच का दायरा बढ़ा दिया है बुधवार को जिला जेल के 24 लोग और संक्रमित पाए गए हैं। रेलवे अस्पताल में एक बार फिर 4 कर्मी संक्रमित मिले हैं इससे पूर्व भी यहां 2 दर्जन से अधिक कर्मी संक्रमित मिल चुके हैं।

## शहर में देह व्यापार का भंडाफोड़, छः गिरफ्तार

**महराजगंज।** जिले के शहर के एक मोहल्ले में पुलिस ने देह व्यापार का खुलासा किया है। इस मामले में दो पुरुष और चार महिलाओं को हिरासत में लिया गया है। मोहल्ले के लोगों की शिकायत पर पुलिस ने देर रात यह कार्यवाही की है। पुलिस के मुताबिक कस्बे में देह व्यापार करीब दो माह से चल रहा था। जहां बिहार से युवतियां बुलाई जाती थीं इसके अलावा जिले के विभिन्न स्थानों से भी महिलाएं लाई जाती थीं। पकड़ी गई महिलाओं से पूछताछ के बाद पुलिस को कुछ अहम सुराग भी मिले हैं। माना जा रहा है कि पुलिस अभी और भी कुछ स्थानों पर छापा मारी कर सकती है। पूछताछ में पता चला है कि पकड़ी गई एक महिला पुलिसकर्मियों का खाना बनाती थी। उसे यह भ्रम था कि पुलिस के करीब रहने से उस पर कार्यवाही



नहीं की जायेगी। यही नहीं वह मोहल्ले के लोगों पर धौंस भी जमाती रहती थी तथा लोगों को मुकदमे में फसाने की धमकी भी दिया करती थी। मोहल्ले के लोगों ने तंग आकर सोमवार की रात साढे नौ बजे कोतवाली पुलिस को सूचना दी। इसके बाद कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक मनीषा सिंह महिला पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचीं। उनके साथ कोतवाली पुलिस भी थी। पुलिस ने जब कमरे का ताला खोलने के लिए कहा तो बताया गया कि चाबी नहीं है। पुलिस ने जब ताला तोड़ा तो अंदर का दृश्य देखकर वह भी दंग रह गए। कमरे में दो पुरुष चार महिलाएं एवं दो बच्चे मिले। इसके अलावा भारी संख्या में अश्लील साहित्य एवं सामग्री भी बरामद हुई। कमरे से कई लड़कियों की तस्वीरें मोबाइल फोन कास्मेटिक के सामान भी मिले हैं।

## एसएसपी जोगिंदर कुमार पुलिस चौकियों को साईकिल से ही रात में पहुंचे चेक करने तैनात पुलिसकर्मियों में मचा हड़कंप



**गोरखपुर।** जिले में लगातार बढ़ रहे क्राइम को रोकने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर कुमार सर्तक हो गए हैं। उन्होंने पुलिस की चौकशी देखने के लिए बुधवार की रात साइकिल से शहर में निकले,एसएसपी जोगिंदर कुमार के साथ एसपी सिटी डॉ. कौस्तुभ भी मौजूद थे,दोनों अधिकारियों ने कैट और रामगढ़ ताल थाने और पुलिस चौकियों यूनिवर्सिटी चौकी, पैडलेगंज चौकी, नौका विहार चौकी, को चेक किया। इस दौरान कोई पुलिसवाला उनको पहचान नहीं पाया,इस दौरान उन्होंने मातहतों को गुंडा और गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई करने तथा रात्रि गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि राह चलते किसी को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।जानकारी के मुताबिक, बुधवार की रात में एसएसपी के कैंप कार्यालय से दोनों अधिकारी साइकिल से निकले। सबसे पहले विश्वविद्यालय चौकी पर पहुंचे। साफ-सफाई का जायजा लेने के बाद पैडलेगंज पुलिस चौकी होते हुए नौकायन केंद्र पुलिस चौकी होते हुए रामगढ़ ताल थाने पहुंचे,थाने में दस्तावेजों के रख-रखाव तथा साफ-सफाई की व्यवस्था देखने के बाद पुलिसकर्मियों को अपराधियों पर कार्रवाई के लिए कहा। फिर दोनों अफसर कैंप कार्यालय को लौट आए।

## अयोध्या के पीड़ित किसानो से मिलने जा रहे कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, तनुज पुनिया तरुण पटेल को बाराबंकी पुलिस ने हिरासत में लिया

- दलित-पिछड़े, किसान-बुनकर का दर्द साझा करने पर हिरासत में ले रही है योगी सरकारः अजय कुमार लल्लू
- भूमि अधिग्रहण में मुआवजा में भेदभाव कर रही है योगी सरकार, लिखा पत्रः अजय कुमार लल्लू
- वंचित-पीड़ित अस्मिता वाले समुदाय की आवाजें दबाना चाहती है योगी सरकारः अजय कुमार लल्लू
- लोकतंत्र और राजनैतिक प्रक्रिया को का दमन कर रही है योगी सरकारः अजय कुमार लल्लू

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी जनपद अयोध्या स्थित ग्रामसभा धरमापुर सहादत में हवाई पट्टी के विस्तार हेतु भूमि अधिग्रण में मुआवजे में असमानता के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखते हुए अधिग्रहण का निर्धारण और मुआवजा केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित भूमि अधिग्रहण अधिनियम की नीति के अनुरूप किये जाने की मांग की । कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू द्वारा पीड़ित किसानो से मिलने जा रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बाराबंकी से जारी बयान में कहा कि प्रदेश की योगी सरकार दमन पर उतर आई है । पीड़ित किसानो का दुखदर्द जानने के लिए जा रहे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को हिरासत में लेना, लोकतंत्र की हत्या है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सिपाही गाँधी-बाबा साहेब को मानने वाले लोग है, हमारा संविधान पर पूरा भरोसा है । हम शांतिपूर्वक तरीके से किसानो का दुख दर्द साझा करने के लिए जा रहे थे , आखिर हमको क्यों रोका जा रहा है । योगी सरकार को किस बात का डर है जो हमको हिरासत में लिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने योगी सरकार को पत्र लिखते हुए मांग की है कि अयोध्या स्थित ग्रामसभा धरमपुर-सहादत मिएँ भूमि अधिग्रहण में बंटे मुआवजे में भेदभाव नहीं होना चाहिए । उन्होंने आगे कहा कि एक कार्य के लिए अधिग्रहित की जाने वाली समस्त भूमि को एक ही वानिजिक मूल्य मिलना चाहिए । जारी बयान में उन्होंने कहा की मौजूदा योगी सरकार प्रदेश में विपक्ष की आवाज़ को पुलिस के दम पर दबाना चाहती है । संविधान में निहित शांतिपूर्वक राजनैतिक प्रक्रियाओं को योगी सरकार कुचल रही है । आखिर क्यों इतना भयभीत है योगी सरकार कि वो किसानो से मिलने जा रहे लोगो को हिरासत में ले रही है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि आज वंचित-पीड़ित समुदाय की आवाज़ दबाई जा रही है । दलित-पिछड़े, किसान-बुनकर का दर्द साझा वाले लोगो पर फर्जी मुक़दमे पंजीकृत किये जा रहे है। क्या हक की लड़ाई लड़ने वालो को रोका जा रहा है । पुलिस के दम पर किसानो की आवाज़ को रौंदा जा रहा है । योगी सरकार खुलें लोकतंत्र के चीरहरण में लगी है । पर हम कांग्रेस के सिपाही डरने वाले नहीं है, हमारी नेता श्रीमती प्रियंका गाँधी का सन्देश है , ÷न डरेंगे , न हटेंगे , डटे रहेंगे। हम तानाशाह सरकार के हर जुल्म का डट कर मुकाबला करेंगे गाँधीवादी तरीके से और समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगो की आवाज़ को बुलंद करते रहेंगे।

## फाँसी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव

गोरखपुर/ गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर 1 के दक्षिण टोला में फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव परिवार में मचा कोहराम प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर 1 दक्षिण टोले का मनोज निषाद 30 वर्षीय पुत्र फूलदेव निषाद पत्नी से आपसी विवाद को लेकर लगाई फाँसी मौके पर हुई मौत ग्रामीणों की सूचना पर पहुची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया 3 महीने पहले प्रदेश से आया था मनोज लॉकडाउन लगने के कारण काम नही मिल रहा था नही चल पा रहा था घर का खर्चा गरीबी से जूझ रहा था मनोज का परिवार दो बच्चे एक लड़का और एक लड़की थे पत्नी माया का रो रो का बुरा हाल है। चेन्नई में पेंट पालिस का काम करके अपने परिवार का गुजारा करता था।

## अवैध निर्माण के प्रत्येक पहलू को समझने के बाद होगी एसआईटी के गठन के लिए मांग

**रायबरेली/लखनऊ।** रायबरेली शहरी क्षेत्र में मोहाल जियाउद्दीन , अख्तियारपुर की ह्र्.. गाटा संख्या 384 में रकबा 2 - 12 - 00 पर हो रहा बहुचर्चित अबैध निर्माण को रायबरेली जिले के नव नियुक्त जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव द्वारा 28 अगस्त को सीज कर दिया गया. पहले तो यह धोखाधड़ी करके बनवाया गया और अब सीज होने के बाद भी इस निर्माण पर्दे के पीछे से सही ठहराने का षडयंत्र शुरू है. यह सनसनीखेज आरोप लोकशक्ति अभियान एक स्वैच्छिक संगठन के अध्यक्ष व 36 रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से पूर्व स्वतंत्र प्रत्याशी ऱ्नैमिष प्रताप सिंह ने इस संवाददाता से एक विशेष बातचीत में कहा. उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा अबैध निर्माण है जिसमें हलका लेखपाल , स्थानीय कोतवाली नगर की पुलिस , नगर पालिका , विकास प्राधिकरण , शहर के मजिस्ट्रेट की मिलीभगत को साबित करने वाले तथ्यों का खुलासा हो चुका है लेकिन आश्चर्य



की बात यह है कि रायबरेली के पुलिस अधीक्षक और पूर्व जिलाधिकारी चुप क्यों थे ? यही नहीं बल्कि इस बात की लगातार चर्चा थी कि रायबरेली के पूर्व जिलाधिकारी रह चुके व वर्तमान में प्रमुख सचिव के पद पर कार्यरत आईएएस आफीसर जितेन्द्र कुमार इस बहुचर्चित अबैध निर्माण के लिए रास्ता साफ कर रहा थे. उन्होंने कहा कि वे पिछले एक सप्ताह से इस विषय पर चुप है लेकिन यह बेहद आश्चर्य का विषय है कि नियम - कानून को ताक पर रखकर हुए इस बहुचर्चित अबैध निर्माण के के लिए न तो किसी की जबाबदेही तय करते हुए उसके खिलाफ जांच बैठाया गया और न ही जमीन को उसके असल मालिकों को सौपने का कोई प्रयास हुआ. कुल मिलाकर अंधेरगर्दी का खुला खेल जारी है इसलिए अब अबैध निर्माण से जुड़े इस संगठित अपराध की सक्षम जांच के लिए एसआईटी से जांच करवाने के अलावा कोई अन्य रास्ता शेष नहीं है. उन्होंने कहा कि वे इसके सभी पहलुओं का नए सिरे से अध्ययन कर रहा है जिसके बाद रायबरेली शहर में मोहाल जियाउद्दीन , अख्तियारपुर की ह्र्..गाटा संख्या 384 में रकबा 2 - 12 - 00 पर हो रहे बहुचर्चित अबैध निर्माण की सक्षम जांच के लिए तत्काल एसआईटी के गठन की मांग करेंगे।

## कोरोना जाँच शिविर में पहुंचे ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, कोरोना जांच कराने हेतु लोगों को किया जागरूक



गोरखपुर/जिलाधिकारी के विजयेंद्र पांडियन के निर्देश पर जनपद के शहरी क्षेत्रों में 22 स्थानों पर गोरखपुर वासियों के सुविधा अनुसार कोरोना संक्रमण जांच ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर गौरव सिंह सोगरवाल की देखरेख में फ्री कैम्प लगाया गया जांच कैम्प में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्वयं पहुंच कर लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे जिससे ज्यादा से ज्यादा लो जांच शिविर कैंप में पहुंचकर कोरोना जांच करा कर गोरखपुर को कोरोना मुक्त शहर बनाने में अपना सहयोग दें यह जांच शिविर आगे जनता के सहयोग हेतु जारी रहेगा अपना कोरोना जांच कराएं और अपने अगल-बगल के लोगों को कोरोना जाँच कराने के लिए प्रेरित करें।

## नौतनवां गांधी चौक पर लटके बिजली के हाई बोल्टेज तार मौत को दे रहे दावत जिम्मेदार मौन



महराजगंज/नौतनवा कई जगहों को जोड़ने व काफी व्यस्त रहने वाला गांधी चौक चौराहा जहां भारी भरकम भीड़ व मालवाहक वाहनों का आवागमन रात दिन लगा रहता है जहाँ बिजली के लटकते जर्जर तार बहुत बड़ी दुर्घटना का कारण भी बन सकता है ऐसा नहीं है कि इसकी सूचना बिजली विभाग को नहीं है इसकी सूचना बिजली विभाग के जेई सुनील कुमार को भी है इनको कई बार फ़ोन पर औगत भी कराया गया है और मौके की तस्वीरें भी इनको भेजा गया है जिसमें साफ दिख रहा है कि ट्रक तारों को पूर्ण रूप से रगडते हुए जा रही हैं जिससे कभी भी आग लगने व बड़ी दुर्घटना होने का खतरा भी बना हुआ है

फिर भी बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा उस पर कोई अमल नहीं किया जा रहा है और ना ही उसे मरम्मत कराया जा रहा है बिजली विभाग के कर्मचारी उस पर चुप्पी साधे हुए हैं। जब इस संदर्भ में नौतनवां जेई सुनील कुमार क़ो फोन लगाया गया तो इनका नम्बर नहीं लगा।

# बड़े संकट का संकेत जीडीपी का गिरना

भले ही आम आदमी इस बॉत को अभी गम्भीरता से न ले लेकिन इतना तय है कि कोरोना संक्रमण के कारण जिस तरह के निर्णय सरकार द्वारा लिए गए उसके चलते भारत की जीडीपी पूरे विश्व में सबसे निचली पायदान में पहुंच गई है। जीडीपी का गिरना इस बॉत का संकेत है कि आपकी जेब तेजी खाली हो रही है। इसके लिए भले ही सरकार माने या न माने लेकिन कोरोना संक्रमण की शुरूआत के दौर में मात्र 500 से 1000 के बीच कोविड 19 संक्रमित थे तब केन्द्र सरकार ने लम्बा लॉकडाउन लगा दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि देश के सभी सेक्टरों में काम पूरी तरह ठप्प हो गया। कोविड 19 से केवल हिन्दुस्थान नही पूरा विश्व प्रभावित था अब हम इस दौरान देखे तो चीन जहॉ से कोरोना संक्रमण पैदा हुआ हॉहाकार मचा लेकिन चीन की जीडीपी 3.2 प्रतिशत पर ग्रोथ कर रहा है, जापान, जर्मनी आदि की डीजीपी भारत से बेहतर है जबकि कोविड 19 से उक्त देश भी प्रभावित थी। भले ही भारत सरकार इस बॉत का दॉवा करे कि महामारी के चलते ऐसा हुआ जिस पर किसी का बस नही था, हमने अर्थ व्यवस्था को सुधार किया, हमने लोकल में वोकल को बढ़ावा दिया। हमने बीस लाख करोड़ का विशेष पैकेज दिया। लेकिन इस बीस लाख पैकेज से आम आदमी का क्या भला हुआ यह शायद कोई नही जानता न ही सरकार इस पर श्वेत पत्र जारी कर इसे सार्वजनिक करने का साहस नही करेगी। यहॉ इस बॉत पर भी गौर करना चाहिए कि सरकार का जो जीडीपी का आंकड़ा है वह पूरा सच नही है क्योकि इसमें असंगठित क्षेत्र का खुलासा हुआ ही नही। जबकि देश में असंगठित अर्थ व्यवस्था में बड़ी भागीदारी निभाती है। कड़े प्रतिबंध वाला लॉकडाउन लगाने से लोगों की नौकरी चली गई। कई सेक्टर में कामधाम शुन्य हो गया परिणाम यह हुआ कि हमने अपनी बचत से जिन्दा रहने का प्रयास किया। जो ऑकड़े आ रहे है उससे आने वाले समय में गरीबी, भूखमरी और कुपोषण बढ़ने के संकेत है। लॉकडाउन खुल गए है ऐसे में ग्रामीण

क्षेत्रों से पुनः लोग शहरों में लौटेगे लेकिन स्थिति यह है कि पढ़े लिखे स्नातक से लेकर इंजीनियर्स आदि कुक, बैरा, सुरक्षागार्ड की नौकरी कर रहे है। व्यापारी, उद्योगपति आदि जो रोजगार मुहैया कराते है उनकी जेब खाली है नौकरी है नही ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले अगर आपकों भीख मॉगते न दिख जाए तो कोई बड़ी बॉत नही है। जीसेवन ही नही जी20 देशो की बॉत करे तो उसके ऑकड़े भी चौकाने वाले है इसके ऑकड़ इस बॉत का संकेत है कि हमने न तो महामारी से निपटने में बेहतर किया न ही हमने अर्थव्यवस्था को सुधाने में बेहतर किया। भारत में निर्माण सेक्टर में 50 प्रतिशत गिरावट है, परिवहन सेक्टर 47, उत्पादन क्षेत्र में 40 प्रतिशत गिरावट आई है। हॉ कृषि, फिश और वानिकी क्षेत्र हमें सफलता मिली है लेकिन इसमें सरकार की भूमिका नगण्य है, क्योकि इसके लिए इन्द्र देव की बारिश ज्यादा मेहरबानी है। जीडीपी किसी भी देश की आर्थिक सेहत को मापने का सबसे जरूरी पैमाना होता है। भारत में जीडीपी (ळ्क्) की गणना हर तीसरे महीने यानी तिमाही आधार पर होती है।हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से जून के दौरान चालू वित्त वर्ष की तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर शून्य से 23.9 प्रतिशत नीचे लुढ़क गया है। जिसका सीधा असर देश के आम आदमी पर पड़ने वाला है।जीडीपी की गिरावट की वजह कोरोना महामारी के बाद लगाया गया लॉकडाउन है। जीडीपी के लिए मुख्य तौर पर 8 औद्योगिक क्षेत्रों कृषि, खनन, मैन्युफैक्चरिंग, बिजली, कंस्ट्रक्शन, व्यापार, रक्षा और अन्य सेवाएं के आंकड़े जुटाए जाते हैं। जुलाई माह में 8 क्षेत्रों में 9.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर आमआदमी की जिन्दगी में पड़ने वाला है। जैसे सकल घरेलू उत्पाद गिरने से प्रति व्यक्ति की औसत आमदनी कम हो जाएगी। अप्रैल से जून के बीच पूरी तरह से देश में लॉकडाउन था। आने वाले समय में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। जीडीपी में गिरावट से रोजगार दर में भी कमी आएगी।लॉकडाउन की वजह से मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के हालात काफी बदतर हो चुके हैं। आने वाले समय में इस क्षेत्र में परेशानियां और बढ़ सकती हैं। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 39.3 प्रतिशत की गिरावट दिखी है तो कंस्ट्रक्शन सेक्टर की ग्रोथ रेट में 50.2 प्रतिशत की गिरावट आई है।रोजगार के क्षेत्र में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। ऑटो मोबाइल सेक्टर में तो इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। इस क्षेत्र में लाखों लोगों की नौकरियां दांव पर लग गई हैं। अगर अर्थव्यवस्था मंदी में जा रही हो तो बेरोजगारी का खतरा बढ़ जाता है। नई नौकरियां मिलनी भी कम हो जाती हैं और लोगों को निकाले जाने का सिलसिला भी तेज होता है।लॉकडाउन की वजह से व्यापार, होटल, परिवहन लंबे समय तक बंद रहे हैं। इन तीनों क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों पर जीडीपी गिरने का असर हो सकता है। नौकरियों में कटौती, बढ़ती महंगाई और देश की आर्थिक वृद्धि दर में कमी इन तीनों मोर्चों पर निराशा मिलने से लोगों की आर्थिक स्थिति पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा। अब ऐसे में सरकार को आने वाली अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन की भयानक परिस्थितियों से बचने के लिए बचने के लिए ग्रामीण का पलायन रोकना होगा इसके लिए मनरेगा को दोगुना करना होगा सौ दिन जगह दो सौ दिनों का काम देना होगा। यही नही शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अधिकाधिक अवसर मुहैया कराने होगे। जरूरत सिर्फ यह नहीं है कि जिन भी क्षेत्रों को खोला जा सकता है उन्हें जल्द से जल्द खोला जाए। जरूरत यह भी है कि मजदूरों-कर्मचारियों के काम और उनके वेतन की गारंटी की जाए और उनमें यह भरोसा कायम किया जाए कि उनकी नौकरी आगे भी बची रहेगी। ज्यादातर दफ्तरों-कारखानों को बंद होने से रोका जा सका तो बाजार का संकुचन ज्यादा नहीं खिंचेगा और भारत लंबी मंदी का शिकार होने से बच जाएगा। ऐसा नही की सरकार के सामने कोई और संकट नही है, लेकिन उन संकटों से निपटने के साथ सरकार को अपने ही देश के अर्थ शास्त्र के जानकारों से सलाह लेकर जमीनी स्तर पर अर्थ व्यवस्था के सुधार युद्धस्तार पर करने की जरूरत है।

# सम्पादकीय

## प्रवासियों को शहरों से कितना लाभ

क्याग्रामीण प्रवासियों का शहरी इलाकों में प्रवास फायदेमंद है? महामारी की आफत में प्रवासियों का अपने गांवों की तरफ जनसैलाब उमड़ पड़ा. ऐसे में मौका है कि हम इस प्रश्न पर विचार करें. आमतौर पर मान लिया जाता है कि गांवों की गरीबी दूर करने में शहरों की बड़ी भूमिका होती है. लेकिन, वंचित और शोषित प्रवासियों के साथ काम करने का मेरा सीमित अनुभव बताता है कि शहर उन्हें विफल कर देते हैं. शहर उन्हें आमदनी के अवसर तो देते हैं, लेकिन अकुशल प्रवासियों के पीढ़ियों के अतीत से छुटकारा नहीं दिला पाते. ऐसे अधिकांश परिवारों के जीवन स्तर में सुधार नगण्य ही हो पाता है. यहां तक कि जब जातीय आधार पर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं, तो वह हमेशा सामाजिक या भौगोलिक बदलाव करने में सफल नहीं होते हैं. सामाजिक पृष्ठभूमि, जिसमें धार्मिक और भाषाई आधार भी शामिल है, शहरों में गुणवत्तापूर्ण आवास और स्थान हासिल में करने में अहम होती है. हमारे पास गुजरात और अन्य राज्यों का उदाहरण है, जहां वंचित जातियों या धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपार्टमेंट खरीदने या किराये पर देने से इनकार कर दिया जाता है या उनसे अधिक दाम और किराया वसूला जाता है. दुनियाभर में शहर कारखानों और औद्योगिकीकरण के केंद्र थे. जैसे-जैसे सड़क नेटवर्क, प्रचालन तंत्र और मालढुलाई का काम आसान हुआ, सामानों और लोगों के परिवहन की लागत कम हो गयी. इससे उद्योगों ने शहरी केंद्रों को खाली करना शुरू कर दिया. वैश्वीकरण ने आपूर्ति शृंखला का भौगोलिक विस्तार किया, जिससे कम लागत में उत्पादन वृद्धि हुई. साथ ही उत्पादों का उत्पादन चक्र छोटा हो गया. कंपनियों ने प्रतिस्पर्धा के प्रभाव को कम करने के लिए अपने उत्पादों की कार्यप्रणाली में मामूली परिवर्तन करना शुरू दिया. साथ ही उपभोक्ताओं की मांग तेजी से पूरी करने लगे. जिन नौकरियों को स्वचालित (ऑटोमेटेड) किया जा सकता था, वे शहरों में कम होती गयीं और उत्पादन चक्र समय को कम करके आपूर्ति शृंखला के अनुकूल बनाया गया. ग्राहकों को सुपुर्दगी की गति तेज कर दी गयी. जो नौकरियां शहरी क्षेत्रों में बची रह गयीं, उनके लिए अनस्ट्रक्चर्ड कॉग्निटिव एक्टिविटीज या अनस्ट्रक्चर्ड फिजिकल एक्टिविटीज की जरूरत है. जिन कार्यों के लिए अनस्ट्रक्चर्ड कॉग्निटिव एक्टिविटीज की जरूरत है, जिसमें समस्या समाधान क्षमता, रचनात्मकता तथा अनुभव जैसे कि पेशेवर योग्यता (अकाउंटेंट, बैंकर्स, वकील आदि) और तकनीकी कार्य, वहां उसका ऑटोमेशन करना मुश्किल है. जो लोग यह कार्य कर रहे हैं, उन्हें शहरों में अच्छा भुगतान मिल रहा है. इसी तरह, जिन कार्यों के लिए अनस्ट्रक्चर्ड फिजिकल एक्टिविटीज जैसे विजुअल तथा भाषा की पहचान, स्थितिजन्य अनुकूलन क्षमता और शारीरिक श्रम जैसे- भोजन बनाने, सर्विस जॉब, आतिथ्य, सफाई कार्य, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा से जुड़ी नौकरियां हैं, वहां भी ऑटोमेशन मुश्किल है. ये नौकरियां शहरों में बहुत कम पगार पर चल रही हैं. एक हद तक ऑटोमेशन कम कौशल वाली नौकरियों का विकल्प होता है. इससे कम कौशल और अधिक शारीरिक श्रम वाली नौकरियों में तनख्वाह कम हो रही है. जबकि कुशल श्रम, जिसमें संज्ञानात्मक गतिविधियां हैं, उनके वेतन में बढ़ोतरी हो रही है. कुशल कामगारों की आमदनी उनकी मजबूत आय की प्रोफाइल बनाती है. उभरते और समृद्ध शहरों ने सेवा वाली औद्योगिकी नौकरियों को खत्म कर दिया और वे उन नौकरियों के लिए अधिक भुगतान कर रहे हैं, जहां स्किल की आवश्यकता है. स्किल वाले लोगों की अधिक तनख्वाह की वजह से शहरी रीयल एस्टेट के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं, क्योंकि रोजाना लंबे आवागमन से बचने और बेहतर शहरी सुविधाओं की मांग की वजह से वह शहर के केंद्रों में रहना चाहते हैं. अकुशल लोग जो अधिक किराये का भुगतान नहीं कर सकते हैं, उन्हें कहीं और जाना पड़ता है. वे झुग्गियों में या बदतर सड़कों और फुटपाथों पर रहना पर शुरू कर देते हैं. उनकी आय आवासीय किरायों या रीयल एस्टेट कीमतों की बढ़ोतरी के सापेक्ष कम रहती है. शहरों में जगह और ढांचागत सुविधाओं के सीमित होने से शहरी जमीनों और मकानों की कीमतें अकुशल श्रमिकों की आमदनी के मुकाबले तेजी से बढ़ी हैं. प्रवासियों और जनसंख्या बढ़ोतरी के कारण शहरों की आबादी में वृद्धि हुई है. जनांकिकी बदलाव का पहला चरण वह होता है, जब मृत्युदर में कमी आने से स्वाभाविक तौर पर शहरी आबादी में वृद्धि होती है. वृद्धि का दूसरा कारण प्रवासियों का आगमन है. व्यापक टीकाकरण, कई गंभीर बीमारियों के लिए एंटीबॉयटिक की खोज और मेडिकल सेवाओं की सुलभता के कारण विकासशील देशों के मृत्युदर आंकड़ों में तेजी से कमी आयी है. दुनियाभर में देखा गया है कि मलिन बस्तियों में मृत्युदर अन्य जगहों की तरह ही कम हुई है, लेकिन मलिन बस्तियों में जन्मदर में तेज वृद्धि हुई है, जो बढ़ती आबादी का स्वाभाविक कारण है. बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से उच्च जीवन प्रत्याशा ही मलिन बस्तियों की बढ़ोतरी और सघनता का कारण बन रही है. मलिन बस्तियों में रहनेवालों को तमाम दुश्वारियों का सामना करना होता है, क्योंकि मूलभूत सार्वजनिक सुविधाओं का वहां अभाव होता है. खराब आवासीय स्थिति के कारण जीवनयापन मुश्किलों से घिरा होता है, इससे पड़ोस और वह स्थान भी अव्यवस्थित हो जाता है. यार्ड टैप से पाइपलाइन वाले पानी की व्यवस्था या घर में कनेक्शन, व्यक्तिगत शौचालय, आवागमन के लिए पक्की सड़कें, जलनिकासी की व्यवस्था, मकान की बाहरी दीवार व फर्श, जमीन हड़पने वाले माफियाओं से सुरक्षा और कार्यस्थल तक पहुंचने में लगनेवाले समय तथा खर्च आदि बातों का भी लोगों पर असर पड़ता है. इन तमाम असुविधाओं के साथ-साथ कई व्यक्तियों को एक ही स्थान को साझा करना होता है. गरीबों के लिए किराया अधिक है और जिन हालात में वे रहते हैं उसके लिए उन्हें अधिकतम भुगतान करना पड़ता है।

# सही समय पर उपचार है निदान

नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो का वर्ष 2019 में आत्महत्या का आंकड़ा चिंतित करनेवाला है. प्रतिदिन 381 लोगों ने आत्महत्या की है. अवसाद और चिंता जैसे मानसिक विकारों से पीड़ित होने के कारण मनुष्य की उम्मीद खत्म हो जाती है. 90 प्रतिशत आत्महत्या के मामलों में यही कारण होता है. कुछ एक आवेगवश होती हैं. ऐसे मामलों में व्यक्ति को अवसाद या चिंता जैसी परेशानी तो नहीं होती लेकिन कुछ ऐसे कारण बन जाते हैं, जिससे वह आवेग में आकर तुरंत आत्महत्या करने का निर्णय कर लेता है. यहां यह भी प्रश्न उठता है कि आखिर क्यों लोग अवसाद और चिंता से घिर जाते हैं. इनसे ग्रस्त होने के अलग-अलग आयु वर्ग में अलग-अलग कारण होते हैं. किशोरवय से युवावस्था तक देखें, तो पढ़ाई में, संबंधों में असफल रहना, माता-पिता द्वारा बहुत ज्यादा डांट-फटकार लगा देना, या जिद पूरी नहीं होना इस आयु वर्ग में आत्महत्या के कारण बनते हैं. यहां पार्टनर से ब्रेकअप आत्महत्या की प्रमुख वजह बनती है. बात-बात में मां-बाप या स्कूल में शिक्षकों द्वारा नुक्ताचीनी करना, आत्महत्या करने का दूसरा कारण है. माता-पिता या शिक्षक अपनी जगह सही होते हैं, लेकिन उनकी जरूरत से ज्यादा टोका-टोकी से बच्चों के अंदर अवसाद उत्पन्न हो जाता है और वे अपनी जान ले लेते हैं. पच्चीस वर्ष से अधिक आयु के जो व्यक्ति आत्महत्या करते हैं, उसका प्रमुख कारण, करियर में सफल न होना, पति-पत्नी के आपसी संबंधों में कड़वाहट आना या शादी का टूट जाना, प्रेमीध्प्रेमिका से अनबन, विवाहेतर संबंधों का घर में पता लग जाना, घर से दूर रहने के कारण अकेलापन घेर लेना है. इसके अलावा, भविष्य को लेकर बहुत ज्यादा चिंता, कोई ऐसी परेशानी आना, जिसे व्यक्ति झेल नहीं पाता और रोजमर्रा के दायित्वों को उठाने में असमर्थता से तनाव में आ जाता है. फिर ऐसी स्थिति में उसे अपना जीवन समाप्त करना ही बेहतर लगता है.

चालीस वर्ष की उम्र पार करने के बाद यदि आप कार्यस्थल पर अच्छा नहीं कर पा रहे हैं, तो नौकरी बचाये रखने की चिंता, जिम्मेदारियों का बहुत ज्यादा बढ़ जाना, घरेलू कलह, बच्चों का अपनी मर्जी का करना, अलग राह पर निकल जाना, उनमें शराब आदि बुरी लत का लगाना, उनका पढ़ाई में, करियर में पिछड़ते जाना व्यक्ति को तोड़ देता है. बच्चों की शादी यदि सही नहीं चल रही है तो भी माता-पिता काफी परेशान हो जाते हैं और परेशानियों का हल निकलता न देख अपनी जान ले लेते हैं. साठ वर्ष का होने पर नौकरी खत्म हो जाती है, कइयों के पतिध्पत्नी की मृत्यु हो जाती है और अकेलापन घेर लेता है. बच्चों की माता-पिता के प्रति लापरवाही भी इस उम्र में काफी चोट पहुंचाती है. बीमारियों से घिर जाना और उनसे लड़ना भी इस उम्र में बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है. संगी-साथी छूट जाते हैं. इन सब परेशानियों से लड़ते हुए व्यक्ति में अवसाद और चिंता के लक्षण उभरने लगते हैं, जिनका समय पर निदान न करना आत्महत्या का कारण बनता है. अवसाद और चिंता के लक्षण होने पर व्यक्ति का मन उदास हो जाता है, वह परेशान व चिड़चिड़ा हो जाता है, किसी काम में उसका मन नहीं लगता है. उसकी नींद और भूख कम हो जाती है. वह किसी भी पल का आनंद नहीं उठा पाता है. उसकी एकाग्रता, धैर्य और याददाश्त कम हो जाती है, वह बातों को भूलने लगता है. व्यक्ति का आत्मविश्वास कम हो जाता है और वह बात-बात पर रोने लगता है. उसे अपना भविष्य अंधकारमय लगने लगता है. जब किसी व्यक्ति को उसका भविष्य अंधकारमय लगने लगता है, तो उसके मन में सबकुछ त्यागने के विचार आने शुरू हो जाते हैं. यह विचार एक-एक कर आते हैं. पहले व्यक्ति को लगता है कि वह सबकुछ छोड़ कर कहीं चला जाये. या फिर वह सोचता है कि भगवान उसे उठा ले. अवसाद के बहुत ज्यादा बढ़ जाने से खुद को खत्म करने का विचार मन में आता है. इसके बाद व्यक्ति मरने के तरीके सोचता है और खुदकुशी का प्रयास करता है. खुदकुशी के प्रयास में कई बार इंसान बच भी जाता है. यहां दो चीजें होती हैं. पहला, खुदकुशी का जो तरीका अपनाया गया है, उसके अंदर मारक शक्ति कितनी है, दूसरा, उस व्यक्ति के भीतर मरने की कितनी इच्छा है. पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अवसाद दुगुना होता है, जबकि चिंता दोनों में बराबर ही होती है. लेकिन महिलाएं आत्महत्या के जो तरीके अपनाती हैं, अक्सर उसके अंदर मारक शक्ति कम होती है, इसलिए वो बच जाती हैं. जबकि पुरुष जो तरीके अपनाता है, उसकी मारक शक्ति बहुत अधिक होती है और वह मर जाता है. आत्महत्या को रोकने के लिए, अवसाद को लेकर जो मिथ्याएं हैं, जैसे अवसाद को काउंसेलिंग से ठीक किया जा सकता है, यह अपने आप ठीक हो जाता है, सोच बदल कर इसे ठीक किया जा सकता है, उसे दूर करने की जरूरत है. जब दिमाग में किसी विशेष रसायन यानी न्यूरोट्रांसमीटर की कमी हो जाती है, तब इंसान की सोचने की शक्ति प्रभावित हो जाती है और उसके भीतर आत्महत्या के विचार आने लगते हैं. ऐसे में व्यक्ति को मनोचिकित्सक से दिखाने की जरूरत होती है, ताकि व्यक्ति का सही उपचार हो सके, उसे जरूरी रसायन मिल सके. जैसे ही व्यक्ति का उपचार पूरा होता है, उसके मस्तिष्क में उपस्थित रसायन की कमी दूर हो जाती है और वह पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है.

# कोविड काल में मीडिया

# पुलिस और तब्लीगी जमात

इस साल की फरवरी की शुरूआत में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया भर की सरकारों को इस रोग से बचने के लिए उपयुक्त कदम उठाने को कहा था। परंतु उस समय भारत सरकार श्नमस्ते ट्रंपश् और मध्यप्रदेश की सरकार को गिराने के लिए शुरू किए गए श्ऑपरेशन कमलश् को सफल बनाने में व्यस्त थी। फिर 22 मार्च को जनता कर्फ्यू लगाया गया और उसके दो दिन बाद देश को ताले-चाबी में बंद कर दिया गया। इसके बाद से सरकार ने कोविड को गंभीरता से लेना शुरू किया। समय रहते स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उचित कदम न उठाने की अपनी घोर असफलता को छुपाने के लिए सरकार बलि के बकरों की तलाश में थी। और तब्लीगी जमात एक अच्छा बकरा साबित हुआ।

पहले सरकार ने और फिर मीडिया ने देश में कोविड के प्रसार के लिए तब्लीगी जमात द्वारा मरकज निजामुद्दीन में 13 से 15 मार्च तक आयोजित एक सेमिनार को दोषी बताना शुरू कर दिया। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस दौर में इस तरह का बड़ा आयोजन करना उचित नहीं था। परंतु हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि नमस्ते ट्रंप में भाग लेने के लिए सैकड़ों लोग विदेश से भारत आए थे। इस कार्यक्रम में लगभग दो लाख लोगों ने शिरकत की थी। उस समय तक देश में मंदिर और अन्य धार्मिक स्थल खुले हुए थे और उनमें धार्मिक व अन्य आयोजन हो रहे थे। तब्लीगी जमात के कार्यक्रम में भाग लेने जो लोग विदेश से भारत आए थे उन्होंने सभी आवश्यक अनुमतियां लीं थीं और हवाईअड्डों पर उनकी बाकायदा स्क्रीनिंग हुई थी। इसके बाद भी कोरोना संक्रमण के प्रसार के लिए जमात को दोषी ठहराना सरकार में बैठे लोगों की विशिष्ट मानसिकता का प्रतीक था। जमात को कठघरे में खड़ा कर देश के संपूर्ण मुस्लिम समुदाय पर निशाना साधा जा रहा था। गोदी मीडिया ने एक कदम और आगे बढ़कर यह चिल्लाना शुरू कर दिया कि तब्लीगी जमात ने एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत देश में कोरोना संक्रमण फैलाया। इस तथाकथित षड़यंत्र को कोरोना जिहाद की संज्ञा दी गई। कहा गया कि मरकज में कोरोना बम तैयार किए जा रहे थे। मजे की बात यह है कि मरकज उस इलाके के पुलिस थाने से कुछ सौ मीटर की दूरी पर है। गोदी मीडिया की समाज में कितनी गहरी पैठ है यह इससे जाहिर है कि इस दुष्प्रचार ने तेजी से जड़ पकड़ ली कि मुसलमान जानबूझ कर देश में कोरोना फैला रहे हैं। कई स्थानों पर ठेले पर सब्जी बेचने वाले गरीब मुसलमानों की पिटाई हुई और कई हाउसिंग सोसायटियों ने अपने कैम्पस में उनका प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया। कुछ तब्लीगियों को क्वारंटीन किया गया और कुछ को अस्पतालों में भर्ती किया गया। फिर तो साम्प्रदायिक गोदी मीडिया की बन आई। चारों और फेक न्यूज का बोलबाला हो गया। यह आरोप लगाया गया कि अस्पतालों में भर्ती तब्लीगी वार्डों में नंगे घूम रहे हैं, यहां-वहां थूक रहे हैं और नर्सों के साथ अश्लीलता कर रहे हैं। इससे देश में पहले से ही मुसलमानों के प्रति जो नफरत व्याप्त थी वह और बढ़ गई। पुलिस भी हरकत में आई और विदेश से आए तब्लीगियों के खिलाफ कई राज्यों में प्रकरण दर्ज कर लिए गए। उन पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने, महामारी फैलाने और इस्लाम का प्रचार करने के आरोप लगाए गए। इन मामलों में अदालतों के निर्णयों ने उल्टे मीडिया और पुलिस को ही कठघरे में खड़ा कर दिया। इन फैसलों से जाहिर है कि पुलिस द्वारा दर्ज किए गए मामले कितने झूठे थे और मीडिया ने किस कदर दुष्प्रचार किया और अफवाहें फैलाईं। ऐसे ही एक मामले में बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने पुलिस और मीडिया पर तीखी टिप्पणियां की हैं। न्यायालय ने कहा, जब भी कोई महामारी फैलती है या कोई आपदा आती है, तब राजनैतिक सरकारें बलि के बकरों की तलाश करने लगतीं हैं। इस मामले में परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि विदेशी तब्लीगियों को बलि का बकरा बनाने के लिए चुना गया। तत्समय की परिस्थितियों और वर्तमान में संक्रमण की दर को देखते हुए ऐसा लगता है कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई गैर-वाजिब थी।श् मीडिया की आलोचना करते हुए अदालत ने कहा, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में जमकर यह प्रचार किया गया कि भारत में कोविड-19 संक्रमण को फैलाने के लिए ये विदेशी जिम्मेदार हैं। उन्हें गंभीर मानसिक प्रताड़ना दी गई। यह निर्णय मुसलमानों के प्रति पुलिस और मीडिया के दृष्टिकोण की केस स्टडी है। जो मुसलमान विदेश से सेमिनार में भाग लेने आए थे या भारत में घूम रहे थे उन्हें अकारण परेशान और प्रताड़ित किया गया। अदालत ने कहा, श्पुलिस द्वारा की गई यह कार्रवाई, देश के मुसलमानों के लिए एक अप्रत्यक्ष चेतावनी थी कि उनके खिलाफ कभी भी कोई भी कार्रवाई की जा सकती है। इस तरह के इशारे भी किए गए कि देश के मुसलमानों पर केवल इसलिए कार्रवाई की जाएगी क्योंकि वे विदेशी मुसलमानों से संपर्क रखते हैं। इन विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई से दुर्भाव की बू आती है। एफआईआर को रद्द करने या प्रकरण को समाप्त करने के लिए दायर की गई याचिकाओं का निपटारा करते समय दुर्भाव का पहलू ध्यान में रखा जाना होता है। यह साफ है कि हमारे देश में जहां एक ओर कुछ लोगों को बलि का बकरा माना जाता है वहीं कुछ को पवित्र गाय का दर्जा मिला हुआ है और उन्हें कभी भी कुछ भी कहने या करने की आजादी है। हाल में दिल्ली में हुई हिंसा के मामले में जिन लोगों के विरूद्ध पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है उनमें से अधिकांश वे हैं जिन्होंने सीएए-एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लिया था। इसके विपरीत, जिन लोगों ने भड़काऊ भाषण दिए, जिन लोगों ने देश के गद्दारों को...जैसे नारे लगाए (अनुराग ठाकुर), जिन लोगों ने कहा कि आंदोलनकारी घरों में घुसकर हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार करेंगे (प्रवेश वर्मा), जिन लोगों ने कहा कि हम उन्हें धक्का देकर भगा देंगे (कपिल मिश्रा), वे सब खुले घूम रहे हैं। उन्हें किसी का डर नहीं है। ठीक इसी तरह का घटनाक्रम 2006-08 में देश के विभिन्न भागों में हुए बम धमाकों के बाद भी हुआ था।

**सार समाचार .....**

## आईसीसी एलीट पैनल अंपायर्स नहीं दिखा रहे हैं दिलचस्पी

नई दिल्ली **एजेंसी।** हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आईपीएल के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर्स को साथ जोड़ना चाहता है लेकिन अभी तक विदेश के सिर्फ तीन एलीट पैनल अंपायर्स ने ही इसके लिए हामी भरी है। वहीं आने से इनकार कर दिया है वहीं मैच रेफरी की बात करें तो सिर्फ जवागल श्रीनाथ ही इसके लिए राजी हुए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आम तौर आईपीएल के सीजन के लिए छह विदेशी एलीट पैनल अंपायर्स की सेवाएं लेता है। उम्मीद की जा रही थी कि इस बार आईपीएल में ज्यादा एलीट पैनल अंपायर्स शामिल होंगे चूंकि फिलहाल कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं हो रहा है। एक सूत्र ने कहा, बीसीसीआई ने कुछ अंपायर्स से संपर्क किया है लेकिन उन्होंने इस ऑफर को ठुकरा दिया है। उदाहरण के लिए, कुमार धर्मसेना, जो आईपीएल का नियमित हिस्सा रहे हैं, लेकिन बीसीसीआई को साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वह श्रीलंका में क्रिकेट में व्यस्त होंगे।

कई अन्य अंपायर्स ने साफ तौर पर वजह तो नहीं बताई लेकिन वे सावधानी बरतिए। सूत्र ने कहा, एलीट पैनल के अंपायर्स को आईसीसी के अनुबंध से अच्छी-खासी रकम मिलती है। तो वे बेरोजगार नहीं हैं। इस वक्त वे कोई खतरा नहीं मोल लेना चाहते। न्यूजीलैंड के क्रिस गाफने और रिचर्ड इलिंगवर्थ और इंग्लैंड के माइकल गॉफ के अलावा एलीट पैनल में नए शामिल हुए नितिन मोहन ने आईपीएल के लिए हामी भरी है। भारत के अंतरराष्ट्रीय पैनल के अंपायर अनिल चौधरी, सी. शम्सुद्दीन, वीरेंदर शर्मा और केएन अनंतपद्मानभन और पूर्व एलीट पैनल एस रवि भी इस लिस्ट में शामिल हैं। 12 अंपायर्स को जहां मैदान और टीवी अंपायर्स की जिम्मेदारी मिलती है वहीं तीन सिर्फ चौथे अंपायर की भूमिका में होते हैं। वे तीसरे अंपायर की भूमिका तभी निभाएंगे जब इमर्जेंसी की स्थिति में टीवी अंपायर को मैदान पर उतरना पड़े। बीसीसीआई के सूत्रों का कहना है कि यह भारतीय अंपायर्स के लिए अच्छा अवसर हो सकता है, जिन्हें अतीत में काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। मार्च में बनी शुरुआती लिस्ट में शामिल दो ऑस्ट्रेलियन अंपायर्स की जगह अब इंग्लिश अंपायर्स को शामिल किया गया है। सूत्रों का कहना है, ऐसे अंपायर्स को प्राथमिकता दे रहा है जिन्हें बायो बबल में हुए मैचों में काम करने का अनुभव हो। इसी वजह से दो इंग्लिश अंपायर्स को चुना गया है।

## समान मौकों के कारण महिला टीम ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया

**बेंगलुरू एजेंसी।** प्रतिष्ठित राजीव गांधी खेल रत्न से सम्मानित भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि पुरुषों की टीम के समान मौके मिलने से महिला हॉकी टीम के पिछले एक दशक के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को खेल दिवस के मौके पर रानी के अलावा मरियप्पन थंगावेलु (पैरा ऐथलीट), मनिका बत्रा (टेबल टेनिस) को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान से नवाजा। इसके दो और विजेता रोहित शर्मा (क्रिकेट) और विनेश फोगाट (कुश्ती) इस ऑनलाइन समारोह में शामिल नहीं हो सके। रोहित आईपीएल के लिए यूएई में हैं तो वहीं विनेश को एक दिन पहले ही कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है।

रानी ने कहा, 'जहां से मैंने शुरू किया था वहां कि तुलना में महिला हॉकी में अच्छे के लिए कई चीजें बदल गई हैं। जब मैंने खेलना शुरू किया, तो महिलाओं की टीम बहुत कम टूर्नामेंट खेलती थी। हम ज्यादातर राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलते थे लेकिन अब स्थिति में काफी बदलाव हुआ है।' उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया और प्रबंधन ने यह सुनिश्चित किया कि हम पूरे साल टूर्नामेंट खेले जिससे पिछले कुछ वर्षों में हमने बेहतर प्रदर्शन किया है और इससे महिला हॉकी को लोकप्रिय बनाने में भी मदद मिली है।'रानी खेल रत्न से सम्मानित होने वाली पहली महिला हॉकी खिलाड़ी है। पुरुषों में उनसे पहले धनराज पिल्लै और सरदार सिंह को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। रानी ने कहा, 'पिछले एक सप्ताह से, जब से मेरे नाम की आधिकारिक तौर पर खेल रत्न पुरस्कार के लिए घोषणा की गई है, तब से मैं अपनी यात्रा के बारे में चर्चा कर रही हूं। इससे मुझे लगता है कि महिला हॉकी को पुरुष टीम के बराबर महत्व मिला है। एक महिला खिलाड़ी को सर्वोच्च पुरस्कार मिलने से निश्चित रूप से यह दर्शाता है कि खेल सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।'उन्होंने कहा, 'मैं युवा मामलों और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने हमें अपनी क्षमता दिखाने के अवसर दिए और साथ ही साथ हमारे प्रयासों को मान्यता दी।'अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुरुष हाकी खिलाड़ी आकाशदीप सिंह ने भी अपनी खुशी का इजहार किया। उन्होंने कहा, 'मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जो अब तक मेरी यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मैं अपने देश के लिए इस खेल के कुछ सबसे महान खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए बहुत भाग्यशाली रहा हूं।'हॉकी इंडिया के कार्यवाहक अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोबम ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'रोमेश पठानिया को द्रोणाचार्य पुरस्कार, रानी को भारत रत्न पुरस्कार जीतने के लिए, आकाशदीप और दीपिका ठाकुर को अर्जुन पुरस्कार जीतने के लिए जीतने के लिए बधाई।

# नेशनल क्रिकेट एकेडमी में भी दो लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव

**टीम के बाकी खिलाड़ियों की पहली कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। गुरुवार को इनका दूसरा कोरोना टेस्ट होगा और अगर उसकी रिपोर्ट भी निगेटिव आती है, तो बाकी खिलाड़ी शुक्रवार से ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं।**

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। अब यूएई में मौजूद बीसीसीआई के सीनियर मेडिकल ऑफिसर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा बेंगलुरु की नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में भी 2 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव है। बोर्ड सूत्रों ने भी न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि यह बात सही है कि हमारी मेडिकल टीम के एक मेंबर कोरोना संक्रमित हैं। हालांकि, यह बड़ा मसला नहीं है। क्योंकि वे (सीनियर मेडिकल ऑफिसर) में किसी तरह के लक्षण नहीं हैं और उन्हें फिलहाल आइसोलेशन में रखा गया है। उनकी हेल्थ पर नजर रखी जा रही है। वे किसी के भी सम्पर्क में नहीं थे और उनके यूएई आने के दौरान संक्रमित होने की आशंका है। 29 अगस्त को बीसीसीआई ने 2 खिलाड़ियों समेत 13 लोगों के कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी दी थी। हालांकि, बोर्ड ने खिलाड़ियों और टीम के नाम का खुलासा नहीं किया था। लेकिन, मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा गया था कि जिन खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, वे सभी चेन्नई सुपरकिंग्स के हैं। इसमें टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर और बल्लेबाज रितुराज गायकवाड़ शामिल हैं। दो दिन पहले सीएसके के सीईओ केएस विश्वनाथन ने इसकी पुष्टि की थी। तब उन्होंने कहा था कि हमारी टीम में कोरोना के नए मामले सामने नहीं आए हैं। जो लोग पहले संक्रमित पाए गए हैं, उनका 14 दिन का क्वारैंटाइन पीरियड पूरा होने पर दोबारा टेस्ट कराया जाएगा। टीम के बाकी खिलाड़ियों की पहली कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। गुरुवार को इनका दूसरा कोरोना टेस्ट होगा और अगर उसकी रिपोर्ट भी निगेटिव आती है, तो बाकी खिलाड़ी शुक्रवार से ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के दौरान 20,000 कोरोना टेस्ट कराने का प्लान बनाया है। इसके लिए बोर्ड 10 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इसके लिए यूएई की वीपीएस हेल्थ केयर कंपनी के साथ बोर्ड ने कॉन्ट्रैक्ट किया है। कंपनी को सभी टेस्ट करने का काम सौंपा गया है। हर टेस्ट के लिए बीसीसीआई को 200 दिरहम (लगभग 3,971 रुपए) खर्च करने होंगे। कंपनी आईपीएल के दौरान कोरोना जांच के लिए 75 हेल्थ वर्कर्स को तैनात करेगी। बोर्ड ने आईपीएल में कोरोना संक्रमण पर नजर रखने के लिए खिलाड़ियों, ऑफिशियल्स को कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के लिए ब्लूटूथ बैज दिए हैं। खिलाड़ियों के साथ यूएई आए फैमिली मेंबर्स को भी यह बैज पहनना जरूरी है। वहीं, एक हेल्थ ऐप भी तैयार किया गया है, जिसमें सभी को रोज बॉडी टेम्प्रेचर की जानकारी देनी है। आईपीएल 19 सितंबर से 10 नवंबर तक यूएई के तीन शहरों दुबई, अबु धाबी और शारजाह में खेला जाएगा। पहली बार लीग का फाइनल वीकेंड की जगह वीक-डे (मंगलवार) पर होगा। वहीं, इस बार दोपहर और शाम को होने वाले मैच आधा घंटा पहले शुरू होंगे।

## पाकिस्तान सुपर लीग के शेष चार मैच नवम्बर में खेले जाएंगे

**लाहौर , एजेंसी।** पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2020 के शेष बचे चार मैच लाहौर में नवम्बर में खेले जाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पीएसएल के बचे कार्यक्रम की घोषणा की। पीएसएल को कोरोना महामारी के कारण 17 मार्च को रोक दिया गया था। पीसीबी ने बताया कि 14 नवम्बर को क्वालीफायर और एलिमिनेटर-1 खेले जाएंगे जबकि एलिमिनेटर-2 का आयोजन 15 नवम्बर को होगा। फाइनल 17 नवम्बर को खेला जाएगा। सभी मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे और इनका आयोजन जैव सुरक्षा वातावरण में कोरोना प्रोटोकॉल के तहत होगा। फिलहाल मैचों को दर्शकों के बिना कराने की योजना है। मुल्तान सुल्तांस, कराची किंग्स, लाहौर कलंदर्स और पेशावर जाल्मी पीएसएल के प्लेऑफ में उतरेंगी।

# नहीं रहे इंग्लैंड के पूर्व ऑल राउंडर डेविड केपल, 57 साल की उम्र में हुआ निधन

नई दिल्ली | एजेंसी।

क्रिकेट जगत से फिलहाल एक बड़ी दुखद खबर सामने आ रही है. दरअसल इंग्लैंडके पूर्व ऑलराउंडर डेविड केपल का लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया है. बताया जा रहा है कि डेविड केपल काफी अरसे से एक गंभीर बीमारी जूझ रहे थे. इंग्लिश क्रिकेटर डेविड केपल का देहांत उनके घर नार्थम्पटन में हुआ है. दाएं हाथ के बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज के रूप में डेविड केपल ने इंग्लिश क्रिकेट में काफी योगदान दिया, जिसे हमेशा क्रिकेट की दुनिया में याद रखा जाएगा. गौरतलब है कि 57 साल के डेविड केपल लंबे समय से ब्रेन ट्यूमर की वजह से बीमार चल रहे थे. जिसके तहत 2 सितंबर को उन्होंने अपने आवास पर आखिरी सांस ली. डेविड केपल के निधन की खबर इंग्लिश काउंटी टीम नार्थम्पटनशायर दी है. दरअसल नार्थम्पटनशर टीम के साथ डेविड केपल का नाता काफी पुराना रहा था. डेविड केपल ने इस इंग्लिश काउंटी टीम के साथ बतौर खिलाड़ी अपने क्रिकेट करियर के सफर की शुरुआत की थी और अंतिम समय में उन्होंने नार्थम्पटनशर के कोच की कमान भी संभाली थी. डेविड केपल लगभग 32 सालों तक नार्थम्पटनशायर टीम का हिस्सा बने रहे थे. साल 2018 में टीम को डेविड केपल की ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी के बारे पता चला था. इसके अलावा इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने केपल के निधन पर शौक जताते हुए कहा है कि यह इंग्लिश क्रिकेट परिवार के लिये दुखद खबर है। डेविड अपने युग के बेहतरीन हरफननौला खिलाड़ियों में से एक थे. साथ ही इसीबी ने डेविड केपल को श्रद्धाजलि अर्पित की है.

# दिविज शरण और उनके सर्बियन पार्टनर निकोला कैसिक पहले दौर से बाहर

**नई दिल्ली , एजेंसी।** भारतीय टेनिस खिलाड़ी दिविज शरण और उनके सर्बियन पार्टनर निकोला कैसिक यूएस ओपन के डबल्स के पहले दौर में बाहर हो गए हैं। उन्हें 8वीं सीड क्रोएशिया के निकोला मेक्टिक और डचमैन वेस्ले कूलहोफ ने 4-6, 6-3, 3-6 से हराया है। वहीं, मेंस सिंगल्स के दूसरे राउंड में सुमित नागल का मुकाबला ऑस्ट्रिया के वर्ल्ड नंबर-2 डोमिनिक थिएम से होगा। दिविज और निकोला पहले गेम में बैकफुट पर थे, जहां उन्हें अपनी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट गवाने पड़े। हालांकि, उन्होंने लगातार चार अंक जीते और 1-0 से बढ़त लेने में कामयाबी हासिल की थी। मेक्टिक-कूलहोफ ने दूसरे गेम में स्कोर बराबर किया और फिर तीसरे में 2-1 की निर्णायक बढ़त ले ली। दिविज और निकोला अपने सर्विस गेम को लेकर फिर से असहज दिखे और इस बार उनके विरोधियों ने उन्हें कोई भी मौका नहीं दिया। मेक्टिक-कूलहोफ का अगला मुकाबला सिमोन बोलेली और मैक्समो गोंजालेज से होगा। उन्होंने सैंटियागो गोंजालेज और केन स्कुपस्की को 6-4, 6-3 से हराया है। वहीं, डबल्स मुकाबले में भारतीय रोहन बोपन्ना अपने कनाडाई पार्टनर डेनिस शापोवालोव के साथ मेंस डबल्स में उतरेंगे। उनका मुकाबला अमेरिका की स्टार जोड़ी नूह रुबिन और अर्नेस्टो एस्कोबाडो के साथ होना है। भारतीय स्टार सुमित नागल ने मंगलवार रात को ही अपना पहले राउंड का मुकाबला जीत लिया था। उन्होंने अमेरिका के ब्रेडली क्लान को 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से शिकस्त दी। वे 7 साल में किसी ग्रैंड स्लैम का एक राउंड जीतने वाले पहले भारतीय हैं। उनसे पहले सोमदेव देवबर्मन ने ऐसा किया था। उन्होंने भी 2013 के यूएस ओपन के मेन ड्रॉ का मुकाबला जीता था। तब इस भारतीय ने

स्लोवाकिया के लुकास लैको को शिकस्त दी थी। भारतीय टेनिस स्टार नागल दूसरी बार टूर्नामेंट खेल रहे हैं। उनका अगला मुकाबला ऑस्ट्रिया के वर्ल्ड नंबर-3 डोमिनिक थिएम के साथ होगा। डिफेंडिंग चैम्पियन राफेल नडाल और सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम विजेता रोजर फेडरर समेत कई दिग्गजों ने कोरोना के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। इस कारण नागल को यूएस ओपन में सीधी एंट्री मिली है।

# कोहली और टीम इंडिया की तारीफ क्यों न करें

**नई दिल्ली , एजेंसी।**

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर अपने ही देश के लोगों पर भड़क गए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि टीम इंडिया या विराट कोहली की तारीफ क्यों नहीं कर सकता। पाकिस्तान या दुनिया का कोई भी खिलाड़ी कोहली के नजदीक भी नहीं है। दरअसल, अख्तर ने हाल ही में कोहली और रोहित शर्मा समेत भारतीय टीम की तारीफ की थी। इसके बाद से पाकिस्तान में उनकी जमकर आलोचना हो रही है। इस पर पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि जो लोग आलोचना कर रहे हैं, उन्हें आंकड़ें देख लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आलोचना करने वाले को यह स्वीकार करना चाहिए की भारतीय कप्तान विराट कोहली दुनिया के टॉप बेट्समैन में से एक हैं और वे तारीफ के हकदार हैं। मैं अच्छे खिलाड़ी और टीम की तारीफ क्यों नहीं कर सकता? शोएब ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि लोग क्यों नाराज हैं, उन्हें मेरी आलोचना करने से पहले आंकड़े देखना चाहिए। क्या वे नफरत को ध्यान में रखना चाहते हैं या सिर्फ इसलिए कि वे (कोहली) एक भारतीय हैं, इसलिए हम उनकी तारीफ नहीं करेंगे? अगर किसी को कोहली की क्षमताओं के बारे में किसी तरह का शक है, तो वह आंकड़ों की जांच कर ले।'' उन्होंने कहा, ''कोहली ने मौजूदा समय में 70 शतक लगाए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में इस समय और कौन है? उसने इंडिया को कितनी में सीरीज में जीत दिलाई है? क्या मुझे उसकी तारीफ नहीं करना चाहिए?''

# मोहम्मद शमी को प्यार में मिला था धोखा हसीन जहां ने छुपाए थे कई राज

दिल्ली | एजेंसी।

भारत के लिए 49 टेस्ट में 180, 77 वनडे में 144 और 11 टी20 में 12 विकेट लेने वाले शमी टीम के अहम गेंदबाज हैं। उन्होंने आईपीएल में 49 मुकाबलों में 40 विकेट अपने नाम किए। शमी का क्रिकेट करियर अब तक शानदार रहा है, लेकिन पर्सनल लाइफ में वे मुश्किलों से गुजरे हैं। भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 3 सितंबर को 30 साल के हो गए। भारत के लिए 49 टेस्ट में 180, 77 वनडे में 144 और 11 टी20 में 12 विकेट लेने वाले शमी टीम के अहम गेंदबाज हैं। उन्होंने आईपीएल में 49 मुकाबलों में 40 विकेट अपने नाम किए। शमी का क्रिकेट करियर अब तक शानदार रहा है, लेकिन पर्सनल लाइफ में वे मुश्किलों से गुजरे हैं। शमी को दो साल पहले प्यार में धोखा मिला था। पत्नी हसीन जहां ने उनपर कई तरह के आरोप लगाकर उनसे दूरी बना ली। हालांकि, उसके बाद शमी के करियर का ग्राफ और ऊपर चढ़ा। वे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने में कामयाब रहे। इसके अलावा वनडे और टेस्ट में टीम की गेंदबाजी के अहम हिस्सा बन गए। उससे पहले उन्हें अंदर-बाहर होना पड़ता था। हसीन जहां ने करीब 2 साल पहले शमी पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया था। इसके अलावा उन्होंने शमी पर अन्य महिलाओं के साथ नाजायज संबंध होने के भी आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं, हसीन जहां ने मोहम्मद शमी के भाई पर बलात्कार का आरोप भी लगाया था। उसके बाद से दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। हसीन कोलकाता में मॉडलिंग करती थीं और आईपीएल में चीयरलीडर थीं। शमी ने कहा था कि जब मुझे हसीन की पहली शादी और बच्चियों के बारे में पता चला तो मैंने उन्हें साथ रखने की बात कही, लेकिन हसीन इसके लिए तैयार नहीं हुईं। हसीन जहां के पहले पति का नाम एसके सैफुद्दीन है। हसीन ने 2002 में परिवार वालों के खिलाफ जाकर सैफुद्दीन से निकाह किया था। सैफुद्दीन ने हसीन जहां को तब प्रपोज किया था जब वह 10वीं कक्षा में पढ़ रही थीं। हसीन के सैफुद्दीन से दो बेटियां हैं। हालांकि, 2010 में दोनों का तलाक हो गया। हसीन की शमी से भी एक बेटी आयरा है। हसीन से अलग होने के बाद शमी के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अपने कुल 49 टेस्ट में से 19 टेस्ट पिछले दो साल में खेले हैं। इस दौरान 180 में से 70 विकेट झटक लिए। वनडे की बात करें तो शमी ने कुल 77 मुकाबलों में से 27 मैच इस दौरान खेलें। उन्होंने करियर के 144 विकेट में से 53 दो साल में ही ले लिए। टी20 में 3 मैच में 4 विकेट झटके। शमी लगातार सोशल मीडिया पर गेंदबाजी प्रैक्टिस का वीडियो शेयर करते हैं। इससे उनके टीम के कई साथी प्रभावित हुए और उनकी तारीफ भी की है। इनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली प्रमुख हैं। शमी आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से खेलेंगे।

**2012 में कोलकाता में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक मैच के दौरान ही हसीन की शमी से मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों के बीच निकटता बढ़ने लगी और जून 2014 में उन्होंने शादी कर ली। हसीन की यह दूसरी शादी थी, लेकिन उन्होंने शमी से यह बात छुपाई थी। यह बात खुद शमी ने मीडिया से बताई थी।**

# जोकोविच 44वीं रैंकिंग वाले ब्रिटिश खिलाड़ी एडमंड से पहला सेट हारने के बाद मैच जीते

नई दिल्ली | एजेंसी।

सर्बिया के वर्ल्ड नंबर-1 नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के तीसरे राउंड में पहुंच गए। उन्होंने दूसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-44 ब्रिटेन के काइल एडमंड को हराया। मैच में एडमंड ने पहला सेट जीता। इसके बाद जोकोविच ने दमदार वापसी की और लगातार तीन सेट जीतते हुए मैच अपने नाम कर लिया। उन्होंने एडमंड को 6-7, 6-3, 6-4 और 6-2 से शिकस्त दी। जोकोविच तीसरे दौर में शुक्रवार को जैन लेनार्ड स्ट्रफ का सामना करेंगे। उधर, महिला वर्ग में टॉप सीड कैरोलीना प्लिसकोवा टूर्नामेंट के दूसरे राउंड से ही बाहर हो गईं। उन्हें फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया ने सीधे सेटों में 6-1, 7-6(2) से शिकस्त दी। वर्ल्ड नंबर-50 गार्सिया का तीसरे दौर में अमेरिका की जेनिफर ब्रैडी से मुकाबला होगा। छठी सीड पेट्रो क्विटोवा भी तीसरे राउंड में

पहुंच गई। उन्होंने दूसरे दौर में कैटरीना कोजलोवा को 7-6(3) और 6-2 से मात दी। तीसरे राउंड में क्विटोवा का सामना अमेरिका की जेसिका पेगुला से होगा। वहीं, वर्ल्ड नंबर-10 और पूर्व यूएस ओपन चैम्पियन जापान की नाओमी ओसाका भी तीसरे दौर में पहुंच गई। उन्होंने कैमिला जियॉर्जी को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराया। वहीं, वर्ल्ड नंबर-17 डेनिस शापोवालोव भी तीसरे राउंड में पहुंचे। उन्होंने सुनवू को 6-7, 6-4, 6-4 और 6-2 से हराया, जबकि वर्ल्ड नंबर-6 स्टेफनोस सितसिपास ने भी अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा। उन्होंने सेकेंड राउंड में मैक्सिम क्रेसी को 7-6, 6-3 और 6-4 से मात दी। जोकोविच के पास रोजर फेडरर और स्पेन के राफेल नडाल की गैरमौजूदगी में चौथी बार यूएस ओपन जीतने का मौका है। नडाल ने कोरोना और फेडरर ने चोट के कारण इस साल यूएस ओपन में नहीं खेलने का फैसला किया है। अगर जोकोविच यूएस ओपन का खिताब जीत लेते हैं तो यह उनका 18वां ग्रैंड स्लैम खिताब होगा। नडाल ने 19 और फेडरर ने 20 ग्रैंड स्लैम जीते हैं।

# बॉलीवुड स्टार्स के बाद अब सोना मोहपात्रा बनी रिया का बैकबोन

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले में ईडी से लेकर एनसीबी और सीबीआई दिन रात जांच करने में जुटी हुई है। अब सीबीआई,ईडी और एनसीबी सभी अलग-अलग पहलुओं की जांच करने में लगी हुई इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। मगर एक्टर की मौत के 2 महीने बीत जानें के बाद भी फैंस का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है और आज तक भी उन्होंने रिया चक्रवर्ती को निशाने पर लिया हुआ है। सोशल मीडिया का एक बड़ा तबका रिया को लेकर कई तरह की बातें भी बना रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ यूजर्स ने तो बेहद आपत्तिजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया है। वहीं इस पर अब सोना मोहपात्रा के अपनी प्रतिक्रिया दी और इस ऐसी गलत भाषा का उपयोग करने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अक्सर अपने बयानों से जमकर सुर्खियां बटोरने वाली सोना मोहपात्रा ने अब सुशांत मामले में भी एक ट्वीट किया है। दरअसल सोना ने उन सभी लोगों और संस्थाओं को लेकर हल्ला बोला है जिन्होंने रिया को लेकर अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। सिंगर ने ट्वीट करके लिखा सुशांत की मौत किसी सदमे से कम नहीं है और उनको जरूर न्याय मिलना चाहिए। कोई इस बात पर सवाल खड़े नहीं कर रहा है,मगर रिया को विषकन्या बताना या फिर उनकी बोल्ड तस्वीरें साझा करना। यह कौन-सी सही बात है,बस बहुत हो गया। वैसे सोना के इस तरह के ट्वीट से सोशल मीडिया पर हर कोई खुश नहीं है।

तभी हर कोई सोना के विचारों का समर्थन भी नहीं कर रहा है। दरअसल सुशांत के पक्ष में सोशल मीडिया पर जो लहर छाई हुई है उसे देखते हुए रिया चक्रवर्ती या फिर उनके किसी भी बातों को ठीक नहीं माना जा रहा है। इतना ही नहीं अब सोना का इस तरह रिया के सपोर्ट में ट्वीट फैंस को हजम नहीं हो पा रहा है,उनके लिए इस मामले में सोना मोहपात्रा रिया का समर्थन करती दिख रही हैं। बेशक लंबा समय ही क्यों नहीं गुजर गया हो,मगर अब बॉलीवुड के कुछ सितारें रिया चक्रवर्ती का सपोर्ट करते नजर आ रहे हैं। तभी तो अभिनेत्री विद्या बालन और शिबानी दांडेकर ने रिया को सुशांत मौत का हत्यारा मानने से साफ इंकार कर दिया। दोनों अभिनेत्रियों का दावा है कि जब तक किसी के खिलाफ कोई सबूत ना मिले तब तक वो इंसान निर्दोष ही माना जाता है।

# सुशांत केस में चाबीवाले का बयान- पिठानी ने भेजी थी गलत लॉक की तस्वीर, हुआ था शक

सीबीआई सुशांत सिंह राजपूत केस में अब तक कई लोगों को बयान दर्ज कर चुकी है। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, जांच एजेंसी ने उस चाबीवाले को भी बुलाया जिसे सिद्धार्थ पिठानी ने लॉक तोड़ने के लिए बुलाया था। उसने कुछ हैरान करने वाली बातें बताई हैं। हमारे सहयोगी टाइम्स नाऊ की रिपोर्ट के मुताबिक, 14 जून को चाबीवाले को बुलाया गया था। सुशांत के फ्लैटमेट सिद्धार्थ पिठानी ने उसे दरवाजा खोलने में मदद के लिए बुलाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चाबीवाले का दावा है कि पिठानी ने उसको पहले गलत लॉक की फोटो भेजी थी। इसके बाद उसने सही दरवाजे की तस्वीर मांगी ताकि लॉक खुल सके। उसने ये भी बताया कि दरवाजा खोलने के बाद उसे अंदर देखने की इजाजत नहीं थी और पेमेंट देकर उसे जाने को कह दिया गया। चाबीवाली का दावा है कि इस बात पर उसको शक हुआ था।सीबीआई ने चाबीवाले का बयान बुधवार को दर्ज कर लिया है। उस दिन के बारे में उससे डिटेल में पूछताछ की जा सकती है। संभवता उसे पूछा गया था कि सुशांत के कमरे का दरवाजा खोलने के बाद उसे अंदर देखने की इजाजत क्यों नहीं थी। सुशांत की बहन मीतू भी अपने बयान में बता चुकी हैं कि जब वह सुशांत के घर पहुंची तो उनकी बॉडी को नीचे उतारा जा चुका था।

# स्वरा भास्कर के बाद रिया के सपोर्ट में उतरीं विद्या बालन, एक्ट्रेस को लेकर बोली इतनी बड़ी बात

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत केस में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को मुख्य आरोपी माना जा रहा है। ऐसे में रिया के साथ-साथ सीबीआई उनके पूरे परिवार से पूछताछ कर चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सुशांत केस में सीबीआई को अपनी शुरूआती जांच हत्या में कोई पुख्ता सबूत नहीं मिल पाया है। वहीं मुंबई पुलिस तो पहले ही इस केस को खुदखुशी कह बैठी थी। हालांकि इसके बाद सुशांत के फैंस और उनके परिवार ने रिया को एक्टर की मौत का जिम्मेदार माना है। अब पानी सिर से उतर जाने के बाद रिया चक्रवर्ती के मीडिया को दिए इंटरव्यू के बाद कुछ स्टार्स रिया के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वैसे अब इस लिस्ट में विद्या बालन का नाम भी शामिल हो गया है। मालूम हो कि सुशांत सिंह को कथित तौर पर आत्महत्या के लिए जोर देने और उनके पैसे हड़पने को लेकर सीबीआई ने रिया समेत उसके पूरे परिवार के खिलाफजांच कर रही है। वैसे सीबीआई इस केस में अभी तक बहुत से लोगों का बयान दर्ज कर चुकी है और अब तक जांच में कोई ठोस सबूत रिया के खिलाफनहीं मिल पाया है,मगर सोशल मीडिया की जनता ने रिया को पहले से ही दोषी करार दिया है। ऐसे में विद्या बालन ने इस मामले पर दुख जाहिर करते हुए अपने मन इच्छा जाहिर की। दरअसल हाल ही में साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने रिया चक्रवर्ती पर निशाना साधा था। जिसके बाद विद्या बालन ने ट्वीट करते हुए उन्हें लिखा यह बहुत ही अफ्सोस की बात है कि हमारे प्यारे युवा एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की असमय मौत के कारण मौत अब मीडिया सर्कस बन गया है। महिला होने के नाते रिया के खिलाफ होने वाली घटिया बातों से मेरा दिल पूरी तरह से टूट गया है। तो चलिए कुछ नागरिक के संवैधानिक अधिकारों के लिए कुछ सम्मान दिखाएं साथ ही कानून को अपना काम करने दें। याद दिला दें कि 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत ने बांद्रा स्थित फ्लैट में आत्महत्या कर ली थी। इस केस की शुरूआती जांच तो पहले मुंबई पुलिस ने की मगर फैंस और परिवार की मांग के बाद इस मामले की डोर सीबीआई के हवाले सौंप दी गई। वैसे इस पूरे मामले को अब नेपोटिज्म से जोड़ा जा रहा है।

# सनी सिंह ने किया कन्फर्म, सोनू के टीटू की स्वीटी 2 और प्यार का पंचनामा 3 की तैयारी

साल 2018 में फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म किया था। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों ने काफी पसंद किया था जिसमें कार्तिक आर्यन, नुसरत भरूचा और सनी सिंह जैसे स्टार्स नजर आए थे। फिल्म ने 100 करोड़ से ऊपर की कमाई की थी। इसी फिल्म से कार्तिक को भी स्टारडम मिला और यह आज भी सबसे ज्यादा पसंद की जानेवाली फिल्मों में से एक है। अब सनी सिंह ने मुंबई मिरर से बातचीत में कन्फर्म किया है कि सोनू के टीटू की स्वीटी का सीक्वल बन रहा है और लव रंजन के दिमाग में प्यार का पंचनामा 3 भी है। सनी ने हाल ही में अपने कमर्शल और फ्यूचर प्रॉजेक्ट्स पर बात की। इसी दौरान उन्होंने कहा, लव सर के दिमाग में चीजें चल रही हैं। टाइम डिसाइड होना बाकी है लेकिन सोनू के टीटू की स्वीटी का सीक्वल जरूर बनेगा जबकि प्यार का पंचनामा की तीसरी इंस्टॉलमेंट देखने को मिलेगी। अब फैंस कार्तिक और सनी के ब्रोमांस का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सनी ने कहा कि वह और कार्तिक अच्छे दोस्त हैं और वे एक-दूसरे के लगातार टच में रहते हैं। यही नहीं, उनके पैरंट्स भी एक-दूसरे मिलते रहते हैं।

# प्रियंका अल्वा को पहली नजर में ही दिल दे बैठे थे विवेक ओबेरॉय

बर्थडे बॉय विवेक ओबेरॉय अपनी अदाकारी से लाखों-करोड़ों लोगों का दिल जीत चुके है। विवेक ओबेरॉय की निजी जिंदगी के कई ऐसे किस्से रहे है, जिन्हें लोग आज भी याद करते है। आज से दस साल पहले विवेक ओबेरॉय की जिंदगी में वो पल आया था जब वो 20 मिनट के अंदर ही किसी को अपना दिल दे बैठे थे। जी हां हम बात कर रहे है प्रियंका अल्वा की...प्रियंका से 20 मिनट बात करने के बाद ही विवेक ओबेरॉय को इस बात का एहसास हो गया था कि वो ही उनकी ड्रीम गर्ल है...चलिए जानते है कैसे थामा था दोनों ने जिंदगी भर के लिए एक-दूसरे का हाथ.. विवेक ओबेरॉय और प्रियंका अल्वा की पहली मुलाकात काफी दिलचस्प थी। मुलाकात के शुरुआती 20 मिनट में ही विवेक ओबेरॉय प्रियंका को दिल दे बैठे थे। प्रियंका अल्वा का मन था कि विवेक एक महाराजा की तरह बारात लेकर आए और विवेक ने प्रियंका की हर खुशी का ख्याल रखा था।

# रणवीर सिंह-रणबीर कपूर सहित इन सेलेब्स से कंगना रनौत ने की ड्रग टेस्ट कराने की अपील

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में जब से ड्रग्स का एंगल सामने आया है तब से कंगना रनौत ने इसके लेकर कई बड़े सकीन आरोप फिल्म इंडस्ट्री पर लगाएं हैं। इतना ही नहीं ड्रग्स सेवन करने का आरोप कई सितारों पर कंगना लगा चुकी हैं। हाल ही में कंगना रनौत ने एक ट्वीट किया है जिसमें उन्होंने बॉलीवुड के कुछ सितारों को अपना ब्लड टेस्ट कराने का अनुरोध किया। ऐसा इसलिए कंगना ने कहा है ताकि यह पता लग सकेगा कि ड्रग्स का सेवन वह करते हैं और सोशल मीडिया पर चल रही सभी अफ्वाहों का भी खुलासा हो जाएगा। दरअसल ट्वीट करते हुए रणवीर सिंह, रणबीर सिंह, अयान मुखर्जी और विकी कौशल को कंगना ने ब्लड सैम्पल देने के लिए कहा है। ट्वीट करते हुए कंगना रनौत ने लिखा, मैं रणवीर सिंह, रणबीर कपूर, अयान मुखर्जी और विकी कौशल से ड्रग टेस्ट के लिए अपने रक्त के सैम्पल देने का अनुरोध करती हूं, ऐसी अफ्वाहें हैं कि वे कोकीन का नशा करते हैं, मैं चाहती हूं कि वे इन अफ्वाहों का भंडाफोड़ करें,ऐसा कर वे लाखों लोगों को प्रेरित कर सकते हैं। इसके साथ ही पीएमओ को अपने ट्वीट में कंगना ने टैग किया। कंगना ने कुछ दिन पहले एक ट्वीट करते हुए यह बताया था कि नशीला ड्रिंक उन्हें दिया था। कंगना ने ट्वीट में लिखा था, मैं जब फिल्म इंडस्ट्री में नई थी और जो मेरे गुरु बने थे, ने मेरे ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया था। ऐसा वह मुझे पुलिस के पास जाने से रोकने के लिए करते थे, जब मैं सफल हुई और मुझे सबसे प्रसिद्ध फिल्म पार्टियों में जाने का मौका मिला, मेरा ड्रग्स, डेब्यूचरी और माफिया की चौंकाने वाली भयावह दुनिया से सामना हुआ। इससे पहले भी फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों पर एक्ट्रेस कंगना रनौत ने ड्रग्स लेने का आरोप लगाया है। लेकिन उस समय कंगना ने किसी का नाम नहीं लिया था पर अब जब उन्होंने नाम लिए तो सबको हैरान कर दिया। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट पर इससे पहले भी कंगना ने नेपोटिज्म को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर दिवगंत अभिनेता सुशांस सिंह राजपूत की मौत के बाद से कंगना रनौत बहुत सक्रिय हो चुकीं हैं।

# अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा को हुई थी एंजाइटी

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। अकसर वह वीडियो और पोस्ट सोशल मीडिया पर अपने फैन्स के साथ साझा करते रहते हैं। बिग बी की तरह उनकी नातिन नव्या नवेली नंदा भी सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं। हाल ही में नव्या नवेली नंदा ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक बड़ा खुलासा किया है जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया है। दरअसल नव्या ने बताया है कि उन्हें भी एंजाइटी थी जिसके लिए वह थेरेपी ले रही हैं जिससे वह उबर सकें। नव्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा करके इस बारे में बताया है। बता दें कि आरा हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के साथ नव्या ने बातचीत की और मेंटल हेल्थ पर बात करने के लिए बढ़ावा दिया है। बता दें कि नव्या ने इसी ऑर्गेनाइजेशन के बाकी को-फाउंडर्स के साथ मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पेज पर बात की। इस दौरान एंजाइटी से अपने स्ट्रगल और थेरेपी लेने के उन्होंने अपने एक्सपीरियंस को भी शेयर किया। इस बातचीत में नव्या ने कहा कि उन्हें थेरेपी लेने की बात शुरुआत में किसी को नहीं बतानी थी क्योंकि वह कंफर्टेबल महसूस नहीं करती थीं। नव्या ने वीडियो में कहा, यह मेरे लिए नया था। मैं इसके बारे में बात करने से पहले इसका अनुभव लेना चाहती थी। जाहिर तौर पर मेरे परिवार को इसके में पता था लेकिन मेरे दोस्त इसके बारे में नहीं जानते थे। मुझे नहीं पता कि मैं अभी भी उन्हें जाकर इसके बारे में बता पाऊंगी। नव्या ने आगे एंजाइटी से जूझने की बात बताते हुए कहा, मुझे लगा कि मैं कई बार यह महसूस कर चुकी हूं कि अब इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता और मुझे यह भी नहीं पता था कि क्यों। मुझे लगा कि ठीक है,किसी चीज को बदलना जरूरी है और मुझे इस पर बात करने की आवश्यकता है। अब हफ्ते में एक बार मैं इस रूटीन में हूं और मुझे नहीं लगता कि अब स्थिति उतनी बेकार है, क्योंकि सारी चीजें नियंत्रण में है। अब मुझे पता है कि क्या चीज है जो बार-बार परेशान कर रही थी। कई बार लोग यही समझने में देर कर देते हैं कि उन्हें कब मदद चाहिए। वीडियो में आगे बातचीत करते हुए नव्या ने कहा, मेरी जिंदगी में एक समय था जब में सकारात्मक लोगों से नहीं घिरी थी। मैंने देखा कि कैसे जो मैं सोचती हूं नकारात्मकता उसे प्रभावित करती है। केवल अपने बारे में ही नहीं, बल्कि दुनिया के बारे में भी। मैंने उन लोगों से सीखा, जो मेरे आसपास थे और जिन्होंने मुझे खुश रहने में मदद की। हालांकि श्वेता बच्चन नंदा ने बेटी नव्या की इस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा, ब्रावो। न्यूयॉर्क की फोरडम यूनिवर्सिटी से 23 वर्षीय नव्या ने डिजिटल टेक्नोलॉजी में ग्रेजुएट किया है। मुंबई में ग्रेजुएशन सेरेमनी नव्या ने इसी साल अपने घर पर की थी। दरअसल न्यूयॉर्क वह लॉकडाउन की वजह से नहीं जा सकीं थीं। अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता की बड़ी बेटी नव्या हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरूख खान के बेटे आर्यन खान के साथ नव्या की बॉडिंग बहुत अच्छी है।हालांकि पिछले कुछ समय से जावेद जाफरी के बेटे मीजान से नव्या का नाम जुड़ा रहा है।

# रिया ने लगाया था प्रियंका पर छेड़छाड़ का आरोप,सुशांत ने उसी बहन को मौत से 1 महीने पहले बनाया था नॉमिनी

सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस का जांच मामला सीबीआई के हाथों सौंप दिया गया है। डीआरडीओ गेस्ट हाऊस वें दिन भी सीबीआई ने रिया के पेरेंट्स से काफी लंबी पूछताछ की है। रिया चक्रवर्ती इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। वहीं अभिनेत्री के अलावा सिद्धार्थ पीठानी,नीरज सिंह,केशव और सैमुअल मिरांडा से भी घंटों तक पूछताछ की गई है। ऐसे में सुशांत की बैंक स्टेटमेंट से यह साफ जाहिर है कि उन्होंने बहन प्रियंका को अपनी प्रॉपर्टी और इन्वेस्टमेंट का नॉमिनी बनाया है। दरअसल सुशांत मौत से महज 1 महीने पहले ही एक्टर ने अपनी बहन को अपने पैसों से लेकर मकान तक सभी चीजों का नॉमिनी बना दिया था। वैसे इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सुशांत और बैंक के एक अधिकारी के बीच ये बातें वॉट्सएप पर बात हुई थी। मालूम हो कि रिया चक्रवर्ती का आरोप था कि सुशांत और उनकी बहन प्रियंका के साथ उनका रिश्ता बहुत अच्छा नहीं था। इसके अलावा रिया ने प्रियंका को लेकर छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया था और वॉट्सएप का स्क्रीनशॉट शेयर किया,जिसमें सुशांत अपनी बहन प्रियंका से खफा दिखें। परन्तु सामने आए कुछ तथ्यों को देखा जाए तो ऐसा लगता है कि उनकी सुशांत की बहनों के बीच सब कुछ सही था। हालांकि जब सुशांत और प्रियंका की चौट के स्क्रीनशॉट सामने आये तो उसमें साफ था कि 8 जून को रिया चक्रवर्ती सुशांत का घर छोड़ कर चली गई थीं और सेम दिन ही रिया ने सुशांत की बहन प्रियंका को चौट पर दवाइयों की लिस्ट भेजी थी साथ ही यह भी बताया कौन सी दवाई कब लेनी है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।